RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | गुरुवार , 25 जून 2026 | वर्ष: 04, अंक: 97 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रु. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

लोकतंत्र में पद सेवा का माध्यम, विशेषाधिकार का नहीं : उपराष्ट्रपति

'लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति नागरिकों और सार्वजनिक पदों पर आसीन लोगों के बीच विश्वासपूर्ण संबंध में निहित'

नई दिल्ली/एजेंसी

उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने बुधवार को कहा कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति नागरिकों और सार्वजनिक पदों पर आसीन लोगों के बीच विश्वासपूर्ण संबंध में निहित है तथा सार्वजनिक पद को विशेषाधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी के रूप में देखा जाना चाहिए। उपराष्ट्रपति भवन में पूर्व राज्यसभा सदस्य नबाम रेबिया और सह-लेखक संदीप कुमार द्वारा लिखित पुस्तक भारत में वीआईपी संस्कृति : सत्ता, विशेषाधिकार और लोकतंत्र से दूरी के विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए राधाकृष्णन ने कहा कि भारतीय संविधान न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व पर आधारित समाज की परिकल्पना करता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र तभी फलता-फूलता है जब सार्वजनिक जीवन में विनम्रता, जवाबदेही और जनसेवा की भावना को प्राथमिकता दी जाए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि लोकतंत्र का सार नागरिकों और सार्वजनिक प्राधिकार से जुड़े लोगों के बीच संबंधों में निहित है। उन्होंने महान तमिल संत-कवि तिरुवल्लुवर का उल्लेख करते हुए कहा कि सच्चे नेतृत्व की पहचान उसकी सुलभता, करुणा और उत्तरदायित्व से होती है। जो नेता जनता के प्रति सम्मानजनक और सहज उपलब्ध रहते हैं, वे स्थायी विश्वास अर्जित करते हैं। उन्होंने कहा कि पुस्तक में उठाए गए विषय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उस सोच से मेल खाते हैं। राधाकृष्णन ने वीआईपी वाहनों पर लाल बत्ती की व्यवस्था समाप्त करने और हाल में नीट अभ्यर्थियों को यातायात प्रतिबंधों से असुविधा न हो, इसके लिए प्रधानमंत्री द्वारा अपने प्रस्थान में देरी किए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे कदम नागरिक-केंद्रित शासन के उदाहरण हैं और यह सिद्ध करते हैं कि सार्वजनिक सत्ता का उद्देश्य नागरिकों की सेवा करना है।

सार्वजनिक सत्ता का उद्देश्य नागरिकों की सेवा करना है: राधाकृष्णन

राधाकृष्णन ने वीआईपी वाहनों पर लाल बत्ती की व्यवस्था समाप्त करने और हाल में नीट अभ्यर्थियों को यातायात प्रतिबंधों से असुविधा न हो, इसके लिए प्रधानमंत्री द्वारा अपने प्रस्थान में देरी किए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे कदम नागरिक-केंद्रित शासन के उदाहरण हैं और यह सिद्ध करते हैं कि सार्वजनिक सत्ता का उद्देश्य नागरिकों की सेवा करना है।

उन्होंने प्रधानमंत्री के शब्दों को दोहराते हुए कहा, हर भारतीय विशेष है, हर भारतीय वीआईपी है। साथ ही उन्होंने कहा कि सेवा ही सर्वोच्च धर्म है। उपराष्ट्रपति ने पुस्तक में पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री सहित कई महान व्यक्तित्वों की सादगी और जनसेवा की भावना का उल्लेख किए जाने की सराहना की। उन्होंने कहा कि लेखकों ने अपने विश्लेषण को भारतीय सभ्यता और बौद्धिक परंपराओं के संदर्भों से समृद्ध किया है, जिनमें उपनिषद, रामचरितमानस, भगवान बुद्ध की शिक्षाएं और पंचतंत्र शामिल हैं।

'जनसेवा ही लोकतांत्रिक नेतृत्व की कसौटी'

साथ ही उन्होंने कहा कि सेवा ही सर्वोच्च धर्म है। उपराष्ट्रपति ने पुस्तक में पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री सहित कई महान व्यक्तित्वों की सादगी और जनसेवा की भावना का उल्लेख किए जाने की सराहना की।

उन्होंने कहा कि लेखकों ने अपने विश्लेषण को भारतीय सभ्यता और बौद्धिक परंपराओं के संदर्भों से समृद्ध किया है, जिनमें उपनिषद, रामचरितमानस, भगवान बुद्ध की शिक्षाएं और पंचतंत्र शामिल हैं।

गणराज्य के मूल मूल्यों के प्रति नई प्रतिबद्धता का आह्वान करते हुए कहा कि कानून के समक्ष समानता, प्रत्येक नागरिक की गरिमा और विनम्रता से प्रेरित जनसेवा ही लोकतांत्रिक नेतृत्व की कसौटी है।

देश में एक जुलाई से वीबी-जी राम जी अधिनियम होगा लागू

नई दिल्ली। केंद्र सरकार आगामी 01 जुलाई 2026 से विकसित भारत- रोजगार एवं आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) अधिनियम- 2025 यानी (वीबी-जी राम जी अधिनियम) लागू करने जा रही है। यह अधिनियम हर वित्त वर्ष में प्रत्येक ग्रामीण परिवार को कम से कम 125 दिनों के रोजगार की वैधानिक गारंटी प्रदान करता है। ग्रामीण विकास मंत्रालय के मुताबिक इसके तहत गांवों के विकास के लिए अलग-अलग मंत्रालयों और सरकारी योजनाओं को एक साथ जोड़कर काम किया जाएगा, ताकि विकास कार्य तेजी से और बेहतर तरीके से पूरे हो सकें। इसी तैयारी के तहत बुधवार को ग्रामीण विकास विभाग के सचिव रोहित कंसल की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें 18 मंत्रालयों और विभागों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। सरकार की योजना है कि हर गांव अपनी जरूरतों के अनुसार विकास योजना तैयार करें। इसके बाद केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के धन और संसाधनों को जोड़कर उन कामों को पूरा किया जाएगा।

'नई व्यवस्था के तहत ग्राम सभाएं और पंचायतें विकास की प्राथमिकताएं तय करेंगी'

इसे एक योजना, कई स्त्रोतों से फंड मॉडल कहा गया है। नई व्यवस्था के तहत ग्राम सभाएं और पंचायतें विकास की प्राथमिकताएं तय करेंगी। इनमें पानी की उपलब्धता, सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाएं, रोजगार और आजीविका बढ़ाने के काम तथा बाढ़, सूखा और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के उपाय शामिल होंगे। ग्रामीण विकास मंत्रालय के मुताबिक सरकार ने ऐसे 318 प्रकार के कार्यों की सूची तैयार की है, जिन पर इस योजना के तहत काम किया जा सकेगा। इनमें जल संरक्षण, सिंचाई, ग्रामीण सड़कें, सामुदायिक भवन, रोजगार से जुड़े संसाधन और जलवायु परिवर्तन से निपटने वाले कार्य शामिल हैं। सरकारी योजनाओं में तालमेल बढ़ेगा, पैसे का बेहतर उपयोग होगा और गांवों में विकास कार्यों को ज्यादा गति मिलेगी। साथ ही पंचायतों की भूमिका भी पहले से अधिक मजबूत होगी। उल्लेखनीय है कि वीबी- जी राम जी अधिनियम- 2025 को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना की जगह पर लाया गया है।

कोलकाता के तारातला में में निर्माणाधीन गोदाम की छत ढही, 3 मजदूरों की मौत, 18 को बचाया गया

कोलकाता/एजेंसी

कोलकाता के तारातला इलाके में ब्रेस ब्रिज के पास निमार्णाधीन गोदाम की छत ढहने से बड़ा हादसा हो गया। बुधवार को तीन मंजिला निमार्णाधीन चाय गोदाम की तीसरी मंजिल की छत की ढलाई के दौरान अचानक ढांचा भरभराकर गिर पड़ा। मलबे के नीचे कई मजदूर दब गए। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने हादसे में 3 लोगों की मौत की पुष्टि की है, जबकि अब तक 18 घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। घटना के बाद सेना, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, राज्य आपदा मोचन बल, कोलकाता पुलिस, अग्निशमन विभाग और कोलकाता नगर निगम की संयुक्त टीमें युद्धस्तर पर बचाव अभियान चला रही हैं। मलबे में फंसे सभी श्रमिकों को जल्द बाहर निकालने के लिए गैस कटर, क्रेन, एंबुलेंस और अन्य आधुनिक बचाव उपकरणों की मदद ली जा रही है।

घटनास्थल से दबे हुए मजदूरों की आवाजें सुनाई देने की भी सूचना है। बचावकर्मी बाहर से उनके नाम पुकारकर उनकी स्थिति का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बंदरगाह की जमीन पर उक्त चाय गोदाम का निर्माण किया जा रहा था। छत ढहने के समय बड़ी संख्या में मजदूर वहां कार्यरत थे।

स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, मलबे के नीचे अभी भी कई लोगों के फंसे होने की आशंका है। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने 30 से अधिक मजदूरों के अंदर फंसे होने की आशंका जताई है, हालांकि प्रशासन की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

नाबालिग पर हमले की गुत्थी सुलझी, प्रेमी की तमंचे से चली गोली लगी थी पैर में

धारदार हथियार से हमले की कहानी निकली झूठी, पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार कर तमंचा व कार बरामद की

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। फाफामऊ के बेला कछार में नाबालिग लड़की पर हुए कथित हमले के मामले का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। जांच में सामने आया कि लड़की पर किसी अज्ञात हमलावर ने हमला नहीं किया था, बल्कि उसके परिचित युवक के तमंचे से चली गोली उसके पैर में लगी थी। घटना के बाद आरोपित ने लड़की पर दबाव बनाकर पुलिस और परिजनों को झूठी कहानी बताने के लिए मजबूर किया था।
पुलिस के अनुसार 22 जून की शाम बेला कछार क्षेत्र में नाबालिग के घायल होने की सूचना मिली थी। प्रारंभ में लड़की की मां ने तहरीर देकर आरोप लगाया था कि दो-तीन अज्ञात युवकों ने धारदार हथियार से हमला कर बेटी को घायल कर दिया। मामले में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की।
जांच के दौरान सर्विलांस, सीडीआर, सीसीटीवी फुटेज और लड़की की बुआ के बयान से घटनाक्रम संदिग्ध मिला। पड़ताल में पता चला कि लड़की की एक वर्ष से फाफामऊ निवासी अरबाज

उर्फ डैनी से जान-पहचान थी। घटना वाले दिन वह दो बार अरबाज के साथ कार से घूमने गई थी।
पुलिस पूछताछ में सामने आया कि शाम को बेला कछार में टहलने के दौरान लड़की ने अरबाज से तमंचा चलाकर दिखाने को कहा। अरबाज ने पहले हवा में फायर करने का प्रयास किया, लेकिन गोली नहीं चली। इसके बाद उसने दूसरा फायर किया, जिसकी गोली लड़की के पैर में जा लगी। घायल होने पर लड़की ने मां को बुलाया और अज्ञात लोगों द्वारा हमले की झूठी कहानी बताई।
पुलिस का कहना है कि अरबाज ने अपने परिचय और प्रभाव का हवाला देकर लड़की को सच्चाई छिपाने के लिए धमकाया था। बाद में मेडिकल जांच में भी पैर में गोली लगने की पुष्टि हो गई।
मामले में फाफामऊ पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने बुधवार रात मलाक हरहर रेलवे पुल के पास से अरबाज उर्फ डैनी और उसके साथी सुहेल अहमद को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से एक अवैध तमंचा, दो कारतूस और घटना में प्रयुक्त कार बरामद की गई है।
पुलिस ने मुकदमे में नई धाराएं बढ़ाते हुए दोनों आरोपितों के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। अरबाज के खिलाफ पहले से भी दो आपराधिक मुकदमे दर्ज होने की जानकारी पुलिस ने दी है।

सदस्य गोसेवा आयोग ने की गोसंरक्षण एवं अनुश्रवण समिति के अधिकारियों पदाधिकारियों के साथ बैठक

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। सदस्य, उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग रमाकांत उपाध्याय जी ने आज उदयन सभागार में गोसंरक्षण एवं अनुश्रवण समिति के अधिकारियों/पदाधिकारियों के साथ बैठक की।

बैठक में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि जनपद में 44 गौ-आश्रय स्थल संचालित है। सहभागिता योजना के अंतर्गत अब तक 2317 गोवंशों को सुपुर्दगी में दिया गया है। सभी गौ-आश्रय स्थल में सीसीटीवी कैमरा क्रियाशील है। भूसा-चारा की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। केयर टेकारों को समय से भुगतान किया जा रहा है।
मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी ने बताया कि जनपद के सभी गौ-आश्रय स्थल में वर्मी कम्पोस्ट बनाया बनाया जा रहा है। इस वर्मी कंपोस्ट की ब्रांडिंग, पैकेजिंग एवं मार्केटिंग की कार्यवाही की जा रही है।
सदस्य ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि गौ-आश्रय स्थल में प्रत्येक गोवंश के लिए पर्याप्त भूसा चारा एवं चोकर की उपलब्धता सुनिश्चित बनाएं रखी जाए। गौ-आश्रय स्थल में साफ सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित रखी जाए। प्रत्येक गौ-आश्रय स्थल में आइसोलेशन/सिक वार्ड अवश्य बनाया जाए, ताकि बीमार गोवंशों का सुगमतापूर्वक इलाज हो सके। छोटे गोवंशों/कमजोर गोवंश के देखभाल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए।
सदस्य ने गौ-आश्रय स्थल में वर्मी कम्पोस्ट बनाए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इसे और आगे बढ़ाया जाए। जनपद में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जाए। गाय की गोबर से धूप बत्ती एवं पेंट आदि बनाए जाने की कार्यवाही की जाए,जिससे रोजगार के अवसर भी सृजित हो सके। उन्होंने कहा की अभियान चलाकर सहभागिता योजना के अंतर्गत गोवंश को सुपुर्दूंगी में दिए जाने के कार्य में और प्रगति लाई जाए।
बैठक में जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल एवं मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

डीएम की बड़ी कार्रवाई, बरौलहा की 14 बीघा ककरोली भूमि से अवैध खातेदारी निरस्त

45 वर्षों से चली आ रही फर्जी प्रविष्टियां खत्म

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने चायल तहसील के बरौलहा ग्राम सभा की सुरक्षित श्रेणी की ककरोली भूमि पर कई वर्षों से दर्ज खातेदारों का नाम निरस्त कर दिया है। गांव की 75 बीघा भूमि पर बिना किसी आदेश के खातेदारों का नाम 45 वर्षों से गैर कानूनी ढ़ंग से दर्ज चला आ रहा था।
जमींदारी उन्मूलन सन् 1952 से चकबन्दी तक कुल 23 गाटा, क्षेत्रफल 121 बीघा 14 विस्वा ककरोली खाता की भूमि दर्ज रही,जिसमें 75 बीघा भूमि पर बिना किसी आदेश के खातेदारों का नाम 45 वर्षों से गैर कानूनी ढ़ंग से दर्ज चला आ रहा था।
विधि के अनुसार ककरोली भूमि सार्वजनिक उपयोगिता की सुरक्षित भूमि मानी गई है। ऐसी प्रकृति की भूमि धारा 77 उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता से आच्छादित भूमि है। ककरोली खाते की भूमि में से लगभग 75 बीघा भूमि पर नाम दर्ज कराने में खातेदार सफल रहे। ऐसी प्रविष्टि छल, कपट व फर्जी की प्रकृति में थी।
जिलाधिकारी ने सम्बन्धित पक्षों को सुनवाई का अवसर देकर दो दर्जन दर्ज खातेदारों का नाम निरस्त कर भूमि को पुनः ग्राम सभा खाते की ककरोली भूमि दर्ज कराई।
ज्ञात हो कि अभी भी जिलाधिकारी न्यायालय में लगभग 61 बीघा भूमि का प्रकरण विचाराधीन है जिस पर निर्णय आना शेष है। ककरोली भूमि पर दूसरे गांव सिकन्दरपुर बजहा, इमली गांव, बुआराम का पूरा, भगवतपुर आदि के काश्तकार भी फर्जी ढ़ंग से भूमि में नाम दर्ज कराए है। इसी भूमि पर जनता जूनियर हाई स्कूल बरौलहा, के0पी0 डिग्री कालेज का भी नाम दर्ज है,जिसमें विद्यालय संचालित बताया गया है। ऐसे दर्ज काश्तकारों खातेदारों पर फैसला सुरक्षित है। शीघ्र ही निर्णय आने पर यथाविधि कार्यवाही की जाएगी।
जिलाधिकारी ने कहा कि सार्वजनिक उपयोगिता की सुरक्षित भूमि पर किसी भी व्यक्ति को स्वत्व हासिल नही हो सकता है। ऐसी भूमियों को चिन्हित कराकर अभिलेख दुरूस्त किए जाएंगे।

राम मंदिर में धन चढ़ावा घोटाले के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

सबसे तेज प्रयागराज
कौशाम्बी(ब्यूरो चीफ)। मंझनपुर में जिलाध्यक्ष कांग्रेस गौरव पाण्डेय की अगुवाई में अयोध्या स्थित श्री राम मंदिर में चंदा चोरी व चढ़ावा घोटाला के क्रम में कांग्रेस कार्यकताओं और पदाधिकारियों ने प्रदर्शन किया और जिलाधिकारी कौशाम्बी के माध्यम से राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा इस दौरान जिलाध्यक्ष गौरव ने वर्तमान भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा जनता को लूटकर अब भगवान को भी नहीं छोड़ना चाहती है उन्होंने यह भी कहा कि दान पेटियों से 200 करोड़ से अधिक की चोरी हुई है और 50 से ज्यादा कर्मचारी इसमें शामिल हैं। उन्होंने भाजपा की चुप्पी को राम भक्तों का अपमान बताया है। भगवान राम के नाम पर राजनीत करके भाजपा का पेट नहीं भरा अब राम मंदिर में बैठे

जिम्मेदार.. लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ कर रहें है हम इस प्रदर्शन के माध्यम से यह मांग करते है कि इस मामले की पूरी निष्पक्षता से जांच हो और दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही हो ! भाजपा अगर दोषियों के साथ किसी प्रकार की समझौता करती है तो हम कांग्रेसजन लोगों की आस्था और सम्मान की लड़ाई आगे और मजबूती से लड़ेंगे।
कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व प्रदेश सचिव रामबहादुर त्रिपाठी,वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष श्याम मूर्ति तिवारी,जिला उपाध्यक्ष दीपक पाण्डेय,रामसूरत रैदास,कुलदीप शुक्ला,जिला महासचिव सुरेन्द्र शुक्ला,आसिफ अल्वी,सन्तोष शुक्ला,जिला सचिव जयप्रकाश जायसवाल, हेमंत रावत, इंद्रपाल रैदास,रमेश यादव,सोसल मीडिया जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय,ब्लाक अध्यक्ष नेवादा रावेंद्र यादव, ब्लाक अध्यक्ष मंझनपुर प्रदीप सिंह पटेल,ब्लाक अध्यक्ष मूरतगंज राजबहादुर पासी, ब्लाक अध्यक्ष सिराथू प्रियांशू त्रिपाठी,नगर अध्यक्ष मंझनपुर संगीता कोरी, नगर अध्यक्ष अझुवा विजय यादव,तीजा देवी,लालती देवी,मीना देवी,देवकली, बिट्टन देवी,कुंती देवी, रमती देवी,निर्मला देवी,संगीता देवी,शिखा देवी,नत्थी देवी,शिवदुलारी,विमला देवी,श्याम कली,ऊषा देवी,भगवानी देवी,मोहिनी देवी,ज्ञान चंद्र,अनमोल सरोज,सुनील कुमार,प्रेम चंद्र,अमर सिंह, ज्ञान सिंह यादव,उमेश कुमार कोरी,सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कमल की हत्या करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
बुलंदशहर । दो दिन पहले थाना खुर्जा नगर क्षेत्रान्तर्गत अशोक वाटिका में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला था जिसके सिर में चोट के निशान पाये गए थे जिसकी शिनाख्त कमल

पुत्र रजुआ निवासी ग्राम नंगला शेखू थाना खुर्जा देहात जनपद बुलन्दशहर के रुप में हुई थी।
उक्त क्रम में थाना खुर्जा नगर पुलिस द्वारा एक अभिसूचना के आधार पर घटना कारित करने वाले अभियुक्त अजीत को महेश वाटिका सिद्धेश्वर मंदिर के पास से गिरफ्तार किया गया जिसके कब्जे/निशादेही से आलाकत्ल ईंट व अभियुक्त द्वारा पहनी गयी शर्ट खूनालूदा बरामद की गयी है।
गिरफ्तार अभियुक्त का नाम पता
अजीत पुत्र गब्बर सिंह निवासी महेश वाटिका सिद्धेश्वर मंदिर के पास थाना खुर्जा नगर जनपद बुलन्दशहर।

एक दम्पति साथ रहने को हुए राजी

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यू मांगलिक के निर्देशन में महिला सहायता प्रकोष्ठ/परिवार परामर्श केंद्र पुलिस लाइन, जनपद फतेहपुर में पति-पत्नी के मध्य पारिवारिक विवाद से संबंधित मामलों में मध्यस्थता/ काउंसलिंग की दैनिक कार्यवाही के क्रम में बुधवार को

प्रभारी निरीक्षक संगीता सिंह व काउंसलर श्रीमती साधना देवी, दयाशंकर वर्मा द्वारा एक प्रकरण में समझौता कराया गया व सहयोगार्थ म0आ0 अनीता मिश्रा व म0आ0 यशस्वी शर्मा मौजूद रहीं।

गैंगस्टर के अपराधियों के खिलाफ पैरवी कर जल्द कराएं सजा- एसपी

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । जिलाधिकारी फतेहपुर श्रीमती निधि गुप्ता वत्स व पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक द्वारा कलेक्ट्रेट स्थित

महात्मा गांधी सभागार में गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत की जा रही कार्यवाहियों की समीक्षा हेतु गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी के दौरान गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत अभियोगों, लंबित विवेचनाओं, अभियोजन की प्रगति, दोषसिद्धि की स्थिति एवं अपराधियों के विरुद्ध की जा रही प्रभावी कार्यवाहियों की विस्तृत समीक्षा की गई।
जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित को निर्देशित किया गया कि गैंगस्टर एक्ट के मामलों में प्रभावी एवं सशक्त पैरवी सुनिश्चित करते हुए दोषियों को शीघ्र दण्डित कराया जाए। बैठक में अभियोजन अधिकारियों एवं विवेचकों को आपसी समन्वय स्थापित कर न्यायालय में साक्ष्यों एवं गवाहों की समयबद्ध प्रस्तुति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत अपराधियों के विरुद्ध की जा रही वैधानिक कार्यवाहियों में तेजी लाने तथा लंबित प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया।

स्टोर मैनेजर की मौत से शुगरमिल में हड़कंप सूत्रों के दावों और कर्मचारियों के अलग-अलग बयानों पर चर्चा

सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर। स्योहारा स्थित शुगरमिल के स्टोर मैनेजर विवेक शंकर सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस और फॉरेंसिक टीम मामले की जांच में जुटी है, जबकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।
बिहार के मुजफ्फरपुर निवासी विवेक शंकर सिंह शुगरमिल की भूड़ कॉलोनी स्थित आवास में अकेले रहते थे। बुधवार सुबह वह कार्यालय नहीं पहुंचे तो कर्मचारियों ने फोन किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।
इसके बाद कर्मचारी उनके आवास पहुंचे, जहां कमरा अंदर से बंद मिला। अधिकारियों की मौजूदगी में दरवाजा तोड़ा गया तो विवेक शंकर

सिंह बिस्तर पर मृत अवस्था में मिले।
घटना के बाद शुगरमिल में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस क्षेत्राधिकारी धामपुर अंजनी कुमार, थाना पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की तथा साक्ष्य एकत्र किए।
इसी बीच सूत्रों के हवाले से चर्चा है कि मौत से पहले शुगरमिल के एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा आयोजित एक बैठक में विवेक शंकर सिंह भी मौजूद थे। हालांकि जब इस संबंध में विभिन्न कर्मचारियों से जानकारी ली गई तो अलग-अलग बातें सामने आईं। कुछ कर्मचारियों ने ऐसी किसी बैठक की जानकारी होने से इनकार किया, जबकि कुछ ने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।
इन विरोधाभासी बयानों के चलते क्षेत्र में कई तरह की चचाएं हैं। क्या किसी प्रकार का कार्यस्थल दबाव था, क्या किसी बात को लेकर तनाव की स्थिति थी, अथवा मौत के पीछे कोई अन्य कारण है, फिलहाल यह सब जांच का विषय है। अभी तक पुलिस को ऐसा कोई आधिकारिक साक्ष्य नहीं मिला है जो किसी निष्कर्ष की ओर संकेत करता हो।
पुलिस क्षेत्राधिकारी अंजनी कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद जांच की दिशा तय की जाएगी। रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

खेत में मिले शव की घटना का खुलासा, अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। महेवाघाट थाना क्षेत्र के ग्राम पौर काशीरामपुर में तालाब के पास खेत में एक पुरुष की मिली लाश के मामले में पुलिस ने खुलासा किया है।मृतक का नाम ब्रहम्देव साहनी निवासी ग्राम बहिलवाड़ा भुआल उत्तरी

थाना सरैया जिला मुजफ्फरपुर (बिहार) है। लगभग 20 वर्षों से अलवारा झील में मछली मारने व झील की रखवाली करने का कार्य करता था। साक्ष्य संकलन के क्रम में फील्ड यूनिट फोरेंसिक टीम एवं उच्चाधिकारीगण द्वारा भी घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। स्थानीय पुलिस द्वारा पंचायतनामा की कार्यवाही करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया गया था। तहरीर के आधार पर थाना में धारा 103(1)/352 बीएनएस पंजीकृत किया गया था। सत्यनारायण पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी द्वारा घटना के शीघ्र सफल अनावरण एवं अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु टीमों का गठन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये थे।
इसी क्रम में गठित टीमों द्वारा इलेक्ट्रानिक सर्विलांस की मदद, सीसीटीवी कैमरो के अवलोकन तथा आसपास के लोगो से पूछताछ के बाद पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर प्रकाश में आये अभियुक्तो की तलाश की जा रही थी। बुधवार को मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त राजू निवासी अलवारा थाना महेवाघाट जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त की निशादेही पर आला कत्ल एक बास की लाठी व एक नुकीला पत्थर एवं अभियुक्त द्वारा घटना के समय पहने कपड़े बरामद किये गये । विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। वहां से उसे जेल भेज दिया गया।
पुलिस के अनुसार,
अभियुक्त राजू द्वारा कड़ाई से पूछताछ करने पर बताया गया कि मृतक ब्रह्म?देव अलवारा झील की रखवाली करता था। हम लोग बेरोजगार हैं। मछली मारकर व्यापार करना चाहते थे परन्तु जब से ब्रह्मदेव झील की रखवाली करने लगा है हम लोगो को मछली नही मारने देता था। और हमारी शिकायत ठेकेदार से करता था इसी बात की खुन्नस को लेकर उसकी हत्या की गई।

गैर इरादतन हत्या में वांछित महिला समेत चार गिरफ्तार, कुल्हाड़ी, एक फावड़ा व एक सब्बल बरामद

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । मंगलवार को वादी छोट्टन कुमार पुत्र भगवानदीन निवासी सरकण्डी खास, थाना असोथर, जनपद फतेहपुर द्वारा थाना असोथर पर तहरीरी सूचना दी गई कि पुराने पारिवारिक विवाद को लेकर दशरथ उर्फ संदीप, उसकी पत्नी केवल कुमारी, लवलेश पुत्र अमरजीत निवासी रमसगरा तथा कमलेश द्वारा वादी के पिता भगवानदीन एवं भाई पदुम कुमार पर कुल्हाड़ी, सब्बल एवं फावड़े से प्राणघातक हमला किया गया। बीच-बचाव करने पहुंचे वादी के साथ भी मारपीट की गई, जिससे वह घायल होकर बेहोश हो गया। घटना में गंभीर रूप से घायल पदुम कुमार एवं भगवानदीन को उपचार हेतु अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान पदुम कुमार की मृत्यु हो गई तथा भगवानदीन की हालत गंभीर बनी हुई है।

एसपी के निर्देश पर अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक फतेहपुर के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी थरियांव के कुशल निर्देशन में थाना असोथर पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 136/2026 धारा 105,110 बीएनएस से संबंधित अभियोग की विवेचनात्मक कार्यवाही के दौरान मुखबिर की सूचना पर नामजद वांछित अभियुक्त कमलेश पुत्र भगवानदीन उर्फ भगोनवा उम्र 24 वर्ष निवासी सरकण्डी खास थाना असोथर जनपद फतेहपुर, दशरथ उर्फ संदीप निषाद पुत्र भगवानदीन उर्फ भगवना उम्र लगभग 38 वर्ष निवासी सरकण्डी खास थाना असोथर जनपद फतेहपुर, . लवलेश पुत्र अमरजीत निषाद उम्र लगभग 20 वर्ष निवासी रमसगरा थाना किशनपुर जनपद फतेहपुर तथा . केवल कुमारी पत्नी दशरथ उर्फ संदीप उम्र 26 वर्ष निवासिनी ग्राम सरकण्डी खास थाना असोथर जनपद फतेहपुर में से अभियुक्त कमलेश एवं अभियुक्ता केवल कुमारी को मंगलवार को मनावा मोड़ सरकण्डी रोड से तथा अभियुक्त दशरथ उर्फ संदीप एवं लवलेश को बुधवार को ग्राम रमसगरा थाना किशनपुर क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया।

किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर भाकियू (अराजनैतिक) ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

सबसे तेज प्रयागराज
प्रतापगढ़। किसानों की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के मंडल अध्यक्ष प्रयागराज बबलू दूबे के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को जिलाधिकारी प्रतापगढ़ अभिषेक पांडेय से औपचारिक मुलाकात कर उन्हें एक लिखित ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में किसानों से जुड़ी कई महत्वपूर्ण समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया। इसमें खाद की कालाबाजारी रोकने, डीएपी एवं यूरिया की उपलब्धता सुनिश्चित करने, नहरों की साफ-सफाई कराने, चकबंदी कार्यों में पारदर्शिता लाने, भूमि माफियाओं के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने तथा छुट्टा एवं आवारा पशुओं से किसानों को निजात दिलाने की मांग की गई। इसके अलावा सरकारी अस्पतालों में फर्जी मेडिकल प्रमाण पत्र बनाए जाने की जांच कराने, धारा-24 की माप से संबंधित लंबित मुकदमों का शीघ्र निस्तारण कराने, सरकारी खाद क्रय केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाकर पारदर्शी तरीके से किसानों को खाद वितरण सुनिश्चित करने तथा भूमि अधिग्रहण से जुड़े मामलों के समाधान की भी मांग की गई।
मंडल अध्यक्ष बबलू दूबे ने कहा कि किसानों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान किया जाना आवश्यक है, जिससे उन्हें राहत मिल सके। जिलाधिकारी ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित मामलों में आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के मंडल सचिव प्रयागराज राजेंद्र कुमार सहित अन्य किसान प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।यह संस्करण स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशन के लिए उपयुक्त शैली में तैयार किया गया है।

एसपी कार्यालय - थानों पर बढ़ाई चौकसी, तलाशी और चेकिंग के बाद ही फरियादियों को दिया जा रहा है प्रवेश

संजीव विश्वकर्मा
सबसे तेज प्रयागराज
बिजनौर। शहर कोतवाली बिजनौर में रविवार देर रात एक महिला द्वारा आत्मदाह के प्रयास के बाद पुलिस विभाग अलर्ट हो गया है। गंभीर हालत में महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां से उसे दिल्ली रेफर कर दिया गया है।
महिला पुलिस कार्रवाई से असंतुष्ट थी, जिसके चलते उसने कोतवाली परिसर में अपने ऊपर तेल डालकर आग लगा ली थी। इस घटना के बाद से ही पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है।
घटना के मद्देनजर जिले के पुलिस अधीक्षक (रढ) कार्यालय और सभी थानों में चौकसी बढ़ा दी गई है। एसपी कार्यालय के दोनों गेटों पर अब महिला और पुरुष पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं।
कार्यालय में प्रवेश करने वाले प्रत्येक फरियादी की तलाशी ली जा रही है। उनसे आने का कारण पूछा जा रहा है और केवल पीड़ित व्यक्ति को ही तलाशी के बाद अंदर जाने की अनुमति मिल रही है।

एसपी कार्यालय के गेट पर एक मोर्चा भी बनाया जा रहा है, जहां आगंतुक रजिस्टर में आने-जाने वाले हर व्यक्ति का विवरण दर्ज होगा।
पुलिस अधीक्षक की गाड़ी जिस गेट से प्रवेश करती है, उस गेट से किसी भी बाहरी व्यक्ति का प्रवेश पूरी तरह बंद कर दिया गया है।
यह नई सुरक्षा व्यवस्था जिले के सभी 22 थानों में भी लागू कर दी गई है।
हर थाने के गेट पर पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है, जो थाने आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की तलाशी के बाद ही उन्हें अंदर प्रवेश दे रहे हैं।
इसके अतिरिक्त, अधिकारियों ने सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक दमकल विभाग की टीम को आवश्यक संसाधनों के साथ तैनात करने का फैसला किया है। हर संदिग्ध व्यक्ति पर नजर रखने के लिए सिविल ड्रेस में भी पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे।
एसपी सिटी डॉ. कृष्ण गोपाल सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक कार्यालय और सभी थानों के गेट पर पुलिसकर्मी तैनात कर दिए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कदम सुरक्षा के मद्देनजर उठाया गया है।

जीएसटी ट्रिब्यूनल अपील फाइलिंग और आने वाली समस्याएं विषयक सेमिनार

अधिवक्ताओं ने नई विधिक व्यवस्थाओं की सीखी बारीकियाँ

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। प्रयागराज जीएसटी अपीलेट ट्रिब्यूनल बार एसोसिएशन के तत्वावधान में बुधवार को सिविल लाइंस स्थित हिंदुस्तानी अकादमी में 'जीएसटी ट्रिब्यूनल अपील फाइलिंग और आने वाली समस्याएं' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया।

सेमिनार में शहर के तमाम वरिष्ठ एवं युवा कर-अधिवक्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और नई विधिक व्यवस्थाओं की बारीकियों को समझा। नई दिल्ली से आए प्रख्यात कर विशेषज्ञ एवं मुख्य वक्ता सुरेश अग्रवाल ने ट्रिब्यूनल में अपील फाइलिंग की जटिलताओं, जीएसटी पोर्टल की तकनीकी समस्याओं और कानूनी ड्राफ्टिंग के अहम बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि उच्च न्यायालय इलाहाबाद के चीफ स्टैंडिंग काउंसिल मनोज कुमार सिंह ने अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि ट्रिब्यूनल न्याय व्यवस्था में अंतिम तथ्य खोज प्राधिकरण की भूमिका निभाता है, ऐसे में त्वरित और सुगम न्याय के लिए अधिवक्ताओं द्वारा साक्ष्यों का सही प्रस्तुतीकरण अत्यंत आवश्यक है। जिन मामलों में जीएसटी प्राविधानों के तहत त्वरित न्याय उपलब्ध नहीं है लेकिन व्यापारियों की करापवंचन

की मंशा नहीं है, वहाँ हमें अपनी न्यायिक लड़ाई को जारी रखना चाहिए ।

विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद जीएसटी ट्रिब्यूनल प्रयागराज के न्यायिक सदस्य महताब अहमद ने अपने संबोधन में अधिवक्ताओं को ट्रिब्यूनल की कार्यप्रणाली और प्राधिकरण की अपेक्षाओं से अवगत कराया। उन्होंने मुकदमों की तैयारी और प्रस्तुतिकरण को लेकर कई व्यावहारिक सुझाव भी साझा किए जिसका अधिवक्ताओं ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रयागराज ऋळअळ बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि शंकर पाण्डेय ने कहा कि ट्रिब्यूनल का शुरू होना अधिवक्ताओं और करदाताओं दोनों के लिए बड़ी राहत है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नई व्यवस्था के साथ आने वाली तकनीकी चुनौतियों और पोर्टल ग्लिच जैसी अड़चनों से निपटने के लिए अधिवक्ताओं को निरंतर खुद को अद्यतन रखना होगा।

इस आयोजन का एक प्रमुख आकर्षण नवोदित विधिक प्रतिभाओं का सम्मान समारोह भी रहा। कर और कानून के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पांच होनहार युवा प्रोफेशनल्स को 'इमर्जिंग लीगल माइंड्स 2026' के प्रतिष्ठित सम्मान से सम्मानित किया गया। प्रियंका केशरी, अमन अग्रवाल, पुनीत श्रीवास्तव, मयंक अरोरा और हर्षवर्धन पाण्डेय को प्रदान किया गया।

सेमिनार का संचालन चेयरमैन नरेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने किया। सेमिनार के अंत में रतन टंडन ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से केएन कुमार, एनके अरोरा, शिव प्रकाश दुबे, श्रीकांत केसरवानी, मानवेंद्र सिंह परिहार, आरके कुशवाहा, अजय गुप्ता, दिनेश मिश्रा, नीरज त्रिपाठी, अनिल यादव, शशांक केशरवानी सहित भारी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

चकबंदी एवं जनसमस्याओं को लेकर अधिकारियों संग हुई महत्वपूर्ण बैठक

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। विभिन्न जनसमस्याओं एवं चकबंदी से संबंधित मुद्दों को लेकर मंगलवार को प्रयागराज में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष प्रयागराज बबलू दूबे ने वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों से औपचारिक मुलाकात कर क्षेत्रीय समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की।

बैठक में अपर आयुक्त पुष्पराज सिंह के साथ कई वरिष्ठ पीसीएस अधिकारियों से भी मुलाकात कर विभिन्न जनहित के विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। चकबंदी से जुड़ी गंभीर समस्याओं के समाधान हेतु संगम सभागार में अपर जिलाधिकारी (नगर)सत्यम मिश्रा तथा चकबंदी बंदोबस्त अधिकारी संजीव कुमार के साथ एक औपचारिक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में क्षेत्र की चकबंदी संबंधी समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा गया तथा उनके शीघ्र निस्तारण की मांग की गई।

बैठक में शनि शुक्ला (जिलाध्यक्ष, प्रयागराज), अजय कुमार सिंह (युवा मंडल अध्यक्ष), चंचल मिश्रा (युवा मंडल उपाध्यक्ष), राहुल जमीदार, बजरंगी मिश्रा (युवा मंडल अध्यक्ष, मिजार्पुर), राजेंद्र कुमार (मंडल सचिव), नरेंद्र पटेल (तहसील संगठन मंत्री) सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के दौरान अधिकारियों ने समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

जिलाधिकारी ने जिला पोषण और कन्वर्जेंस समिति की बैठक में दिए निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को एनआईसी हाल में जिला पोषण, कन्वर्जेंस समिति की बैठक हुई। जिलाधिकारी द्वारा बाल विकास विभाग के सभी विभागीय योजनाओं की समीक्षा की गयी एवं कुपोषित, अतिकुपोषित श्रेणी के बच्चों के पोषण स्तर में सुधार हेतु जिलास्तरीय अधिकारियों को प्रत्येक शनिवार को आयोजित वीएचएसएनडी सत्रों का निरीक्षण किये जाने के निर्देश दिए गए। संभव अभियान जुलाई - सितंबर 2026 कराए जाने की तैयारी से जुड़े सभी विभागों- पंचायत विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग को सम्मिलित कार्ययोजना तैयार कर 1 जुलाई को संभव अभियान के शुभारंभ कराए जाने के निर्देश दिए गए एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला विकास अधिकारी को साप्ताहिक समीक्षा करने तथा अपूर्ण आंगनबाड़ी केन्द्रों की निर्माण कार्य अतिशीघ्र पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य को प्रत्येक केन्द्र पर लाभार्थियों के पंजीकरण कराकर जून - 15 जुलाई 2026 तक शत प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश बाल विकास परियोजना अधिकारियों को दिए गए। इसी प्रकार सभी सीडीपीओ को विकास खंड पर जीएमडी की पुनः ट्रेनिंग आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को इसी माह तक करा लेने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, उपायुक्त श्रम एवं रोजगार, एडिशनल सीएमओ, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सहायक अभियंता लघु सिंचाई, जिला सूचना अधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, अतिरिक्त जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारियों सहित कन्वर्जेन्स विभागों के अन्य सभी अधिकारी उपस्थित रहे।

शनिदेव धाम सिद्धपीठ शिव रतन का पूरा में भव्य तरीके से मनाया गया स्थापना दिवस

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। शनिदेव धाम सिद्धपीठ शनि देव मंदिर प्रयागराज पर अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के स्थापना दिवस का भव्य कार्यक्रम किया गया। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संस्थापक डॉक्टर प्रवीण भाई तोगड़िया के दिशा निर्देशन में पूरे देश में स्थापना दिवस का कार्यक्रम मनाया जा रहा है। शिव दरबार शनिदेव धाम सिद्धपीठ शनिदेव मंदिर शिवरतन का पुरवा बिजलीपुर में बुधवार को स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के पदाधिकारी कार्यकताओं द्वारा सुंदर कांड पाठ हनुमान चालीसा पाठ शरबत वितरण बाइक रैली गांव मोहल्ले में हिंदू जन जागरण यात्रा का कार्यक्रम लड्डू वितरण भंडारा महाप्रसाद वितरण आतिशबाजी की गई।अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ प्रवीण भाई तोगड़िया के दिशा निर्देशन में पूरे देश के गांव गांव मोहल्ला में स्थापना दिवस का कार्यक्रम मनाया जा रहा है उन्होंने बताया कि 24 जून अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल की स्थापना हुई थी 8 साल पूर्ण हो रहे हैं इस सफल यात्रा के लिए सहयोग करने वाले सबको धन्यवाद कोई राष्ट्रीय संगठन बनने में 50 साल लगता है कोरोना में हमारे कार्यकर्ता ने 578 भंडारे चलाएं मजदूरों को भी खाना लोगों को चाय डेढ़ साल पहले महाकुंभ प्रयागराज में 14 भंडारे महाकुंभ में चलाएं सभी 24 घंटे चलते थे करोड़ लोगों को खाना खिलाया कई लाख लोगों की रहने की व्यवस्था किया गया पूरे देश में सामूहिक हनुमान चालीसा केंद्र अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल की ओर से चल रहा है वहीं पर शनि देव धाम पर जश्न का माहौल है हनुमान चालीसा पाठ सुंदरकांड पाठ भजन संकीर्तन पदाधिकारी कार्यकताओं में जश्न का माहौल है। गांव मोहल्ले में हिंदू जन जागरण की यात्रा अब तो हिंदू ही आगे का संकल्प लेकर मोहल्ले में गांव में संपन्न हुई। वहीं पर नए हनुमान चालीसा केंद्र स्थापित करने के लिए हिंदुओं से अपील की गई। कहा गया कि हर मोहल्ले में शनिवार मंगलवार को हनुमान चालीसा केंद्र स्थापित करके हम हनुमान चालीसा का पाठ संपन्न किया जाए संजय तिवारी जिला अध्यक्ष ने बताया की अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल की स्थापना 24 जून 2018 को हुई थी अभी 8 वर्ष हुए हैं और यही अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद संगठन राष्ट्रीय बजरंग दल संगठन 21 अक्टूबर 2018 को अयोध्या श्री राम मंदिर बनने के लिए बहुत अधिक प्रयास संघर्ष किया तब जाकर मंदिर निर्माण हुआ गांव में हनुमान चालीसा केंद्र की स्थापना करने के लिए आपको हिंदू ही आगे को लेकर संकल्पित एवं प्रतिबद्ध है आए हुए सभी पदाधिकारी कार्यकताओं का निषाद राज विभाग के मूल वंशज डॉक्टर बी के कश्यप निषाद श्रृंगवेरपुर धाम प्रयागराज प्रदीप केसरवानी जिला संरक्षक आरोही मिश्रा अप्लाई के अध्यक्ष सभी जनों का आभार व्यक्त किया इस अवसर पर मुख्य रूप से संजय तिवारी जिलाध्यक्ष गंगापार प्रयागराज अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद प्रदीप केसरवानी जिला संरक्षक पूर्व अध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद श्याम उपाध्याय एडवोकेट जिला अध्यक्ष अधिवक्ता फोरम जिला उपाध्यक्ष शिव विशाल तिवारी जिला महामंत्री मनोज कुमार श्रृंगवेरपुर धाम महोत्सव के उपाध्यक्ष अरुण द्विवेदी जिला उपाध्यक्ष रामबालक मिश्रा, कौड़िहार ब्लॉक अध्यक्ष रोहित मिश्रा ब्लॉक उपाध्यक्ष जितेंद्र शुक्ला राष्ट्रीय बजरंग दल जिला उपाध्यक्ष रोहित शुक्ला ब्लॉक ब्लॉक कोषाध्यक्ष श्रीमान अजय मिश्रा ब्लॉक हनुमान चालीसा प्रमुख सतीश पांडे ब्लॉक महामंत्री विमलेश तिवारी ग्राम अध्यक्ष हरिनारायण तिवारी ग्राम अध्यक्ष कुलदीप मिश्रा ग्राम अध्यक्ष सुधांशु मिश्रा ब्लॉक अध्यक्ष शुभम दुबे कुलदीप तिवारी ब्लॉक मंत्री शिवदीप तिवारी प्रमुख हनुमान चालीसा केंद्र संतोष शुक्ला संजय पांडे अजय पांडे उमेश तिवारी नीरज पांडे रवि पटवा नगर पंचायत लालगोपालगंज अध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद, तीर्थपुरोहित उमेश तिवारी मौजूद रहे। कौड़िहार ब्लाक के अध्यक्ष रोहित मिश्रा अपने पदाधिकारी एवं कार्यकताओं के साथ स्थापना दिवस की कार्यक्रम में बड़ी संख्या में हिस्सा लिया।

कानून व्यवस्था को लेकर की गई समीक्षा, कसे गए पेंच

हनुमान प्रसाद शुक्ल

प्रयागराज। पुलिस आयुक्त प्रयागराज जोगेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था डॉ0 अजय पाल शर्मा एवं अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय विजय ढुल, समस्त पुलिस उपायुक्त एवं समस्त सहायक पुलिस आयुक्त, समस्त थाना प्रभारियों एवं अन्य अधिकारी, कर्मचारी के साथ रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित त्रिवेणी सभागार में एण्टी भू-माफिया पोर्टल पर की गयी कार्यवाही, मुहर्रम पर्व, कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण व लम्बित विवेचनाओं के सम्बन्ध में गोष्ठी आयोजित की गई। सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि 60 एवं 90 दिवस की सभी लम्बित विवेचनाओं का समयबद्ध, त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण एक माह में सुनिश्चित किया जाए। जनपद स्तर पर चिन्हित भू-माफियाओं के विरुद्ध नियमानुसार गैंगेस्टर एक्ट एवं सम्पत्ति जब्तीकरण की कार्यवाही की जाए। सभी थाना प्रभारी मुहर्रम जुलूस के दृष्टिगत अपने अपने क्षेत्रों में निरन्तर भ्रमणशील रहकर भीड़-भाड़ वाले स्थानों, बाजारों में सतर्क दृष्टि रखते हुये पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाना सुनिश्चित करें। समस्त सहायक पुलिस आयुक्त/थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र में स्थित बाजार व भीड़भाड़ वाले स्थानों पर नियमित पैदल गश्त व संदिग्धों की चेकिंग करना सुनिश्चित करें। महिला सम्बन्धी अपराध लूट हत्या एवं अन्य जघन्य अपराधों पर विस्तृत चर्चा की गयी तथा वांछित लुटेरे, चोर, नकबजन, चैन स्नैचर्स की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाये। जनसुनवाई, आई0जी0आर0एस0 से सम्बन्धित प्रार्थना पत्रों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया।कहा गया कि हिस्ट्रीशीटर अपराधियों की सूची अपडेट कर नियमित सत्यापन एवं निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गए।

आईजीआरएस: शिकायतों के प्रभावी व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न होने पर डीएम खफा

लापरवाही पर करछना, कोरांव के एसडीएम सहित 10 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस, तीन दिन में स्पष्टीकरण मांगा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। आईजीआरएस पोर्टल पर की जाने वाली शिकायतों के प्रभावी व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु नियत समयावधि के अंदर जांचकर्ता अधिकारी द्वारा शिकायकर्ता के मोबाइल पर सम्पर्क करने, उनका नियमानुसार निस्तारण व समाधान कराने के निर्देश दिए गए थे। जांच हेतु रैण्डमली शिकायतकताओं से वार्ता की गयी, जिसमें संज्ञान में आया कि निदेर्शो के बावजूद जांचकर्ता अधिकारियों के द्वारा शिकायतकर्ता के मोबाइल नम्बर पर सम्पर्क तो किया गया, किंतु सम्बंधित अधिकारी द्वारा उनकी शिकायत में अंकित तथ्यों का निस्तारण व समाधान नहीं किया गया है। इस पर जिलाधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने उपजिलाधिकारी करछना, कोरांव, तहसीलदार सदर, जिला समाज कल्याण अधिकारी, ज्येष्ठ खान अधिकारी, अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खण्ड-बारा, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, उप निबंधक फूलपुर, खण्ड विकास अधिकारी उरूवा व कोरांव को कारण बताओ नोटिस जारी करने तथा उन्हें तीन दिवस के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने एवं शिकायती प्रकरणों के सम्बंध में तत्काल नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने व कृतकार्यवाही से उन्हें अवगत भी कराये जाने के निर्देश दिए हैं।

बोलोरो ने ई-रिक्शा में मारी टक्कर, बाइक सवार समेत दो गंभीर

फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के बेलहाबाध के पास हुआ हादसा, सीएचसी से दोनों घायलों को किया प्रयागराज रेफर

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहनों का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को कोतवाली क्षेत्र के बेलहाबाध गांव के सामने एक तेज रफ्तार बोलोरो ने सड़क किनारे खड़े ई-रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ई-रिक्शा क्षतिग्रस्त हो गया और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में ई-रिक्शा सवार समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के वरुणा बाजार की ओर से आ रही बोलोरो तेज गति में थी। बेलहाबाध गांव के सामने चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और सड़क किनारे खड़े ई-रिक्शा से जा भिड़ा। दुर्घटना में ई-रिक्शा में बैठे राजेश कुमार (45) पुत्र सोमनाथ, निवासी सराय हरिराम दुबे, थाना फूलपुर गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं, हादसे की चपेट में आए बाइक सवार दिलीप कुमार (35) पुत्र रामलाल, निवासी पूरे सुखदेव, थाना कटरा जेठवारा, जनपद प्रतापगढ़ भी गंभीर रूप से जख्मी हो गए।

घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत कार्य करते हुए दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फूलपुर पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी नाजुक हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय, प्रयागराज रेफर कर दिया।

हादसे के बाद कुछ देर तक मार्ग पर यातायात भी प्रभावित रहा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटना के संबंध में जानकारी जुटाई।

तीन घरों को चोरों ने बनाया निशाना लाखों की नकदी समेत आभूषण चोरी

चोर उठा ले गए लाइसेंसी बंदूक एवं कारतूस

सबसे तेज प्रयागराज

नवाबगंज प्रयागराज। नवाबगंज चोरों ने तीन घरों को निशाना बनाते हुए नगदी समेत लाखों रुपए के सोने चांदी के आभूषण व लाइसेंसी बंदूक के साथ कारतूस उठा ले गए वही सुबह जब घटना के बाद कमरे में अस्त-व्यस्त सामान देखा तो परिजनों में खलबली मच गई तीन घरों में चोरी घटना मामले को लेकर ग्रामीणों में दर्शन का माहौल बना रहा उधर सूचना पर पहुंची नवाबगंज की पुलिस घटना मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है जबकि चोरों द्वारा युवक को बेहोश करने का भी आरोप लगाया गया है फिलहाल पुलिस जांच के बाद ही

मामले का पदार्फाश होगा।

नवाबगंज नेम तिवारी का पुरा निवासी सुरेश कुमार तिवारी, करूणेश तिवारी एवं राहुल तिवारी का परिवार खाना खाकर बीती रात को सोया हुआ था। बताया जाता है कि अज्ञात चोर तीनों घरों को निशाना बनाते हुए आलमारी एवं बाक्स का ताला तोड़कर लाखों रुपए के सोने चांदी का आभूषण चोरी कर ले गए।

वहीं भुक्तभोगियों में करूणेश त्रिपाठी के मुताबिक घर में रखे 8 सौ ग्राम सोने का जेवरात, दो किलो चांदी के सामान के साथ नकदी 1.37 लाख रुपए नकदी व लाइसेंसी दो नली बंदूक एवं 32 कारतूस चोर चोरी कर ले गए। इतना ही नहीं बल्कि भुक्तभोगी के पुत्र सुंदरम त्रिपाठी बेहोशी की हालत में मिला है। वहीं गांव के ही सुरेश तिवारी के घर से सोने-चांदी का आभूषण समेत 15 हजार रुपए नकदी चोरी करने का आरोप है। जबकि राहुल त्रिपाठी के घर से लाखों रुपए के सोने-चांदी के आभूषण एवं 25 हजार रुपए नकदी चोर खंगाल ले गए हैं। फिलहाल एक गांव के तीन घरों में हुई चोरी के मामले की खबर पर नवाबगंज की पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

जबकि भुक्तभोगियों द्वारा नवाबगंज पुलिस थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर देते हुए कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं चोरी को लेकर ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

झूँसी पुलिस ने दो चोर को किया गिरफ्तार, कब्जे से चोरी के आभूषण, लैपटाप, 45 हजार नगदी, बाइक बरामद

राम सिंह यादव

सबसे तेज प्रयागराज

झूंसी प्रयागराज। थाना झूंसी पुलिस व एस0ओ0जी0 नगर की संयुक्त टीम द्वारा सर्विलांस सेल नगर के सहयोग से चोरी की घटना का खुलासा करते हुए चोरी से सम्बन्धित वांछित 2 अभियुक्त गोलू उर्फ विकास पुत्र स्व0 बाबू राम निवासी सुभाष नगर शांति विहार कॉलोनी बरेली थाना सुभाष नगर वर्तमान पता माहेश्वरी कॉलोनी ग्लास अड्डा 5 नंबर गली थाना हाथरस गेट जनपद हाथरस व अमित यादव पुत्र अनिल यादव निवासी ग्राम बदरा थाना झूंसी जनपद प्रयागराज हाल पता हवेलिया थाना झूंसी जनपद प्रयागराज को मुखबिर की सूचना पर

बुधवार को ग्राम कोहना मे सोहम आश्रम के पास थाना क्षेत्र झूँसी से गिरफ्तार किया गया व उनके कब्जे से चोरी का 02 चेन (पीली धातु), 02 नाक की कील (पीली धातु) की जिसमे एक नाक की कील के ऊपर चमकीला पत्थर लगा हुआ), 03 अंगूठी (पीली धातु), 01 जोड़ी कान के झुमके (पीली धातु), 06 जोड़ी पायल (सफेद धातु), 04 जोड़ी बिछिया (सफेद धातु), 10 सिक्के (सफेद धातु), 01 जोड़ी पायजेब (सफेद धातु), 01 लैपटाप, 45,000/- रुपये नकद व 01 मोटरसाईकिल बरामद किया गया।

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम

सचिन तवंर,चौकी प्रभारी छतनाग. उ0नि0 हरिशंकर मिश्रा चौकी प्रभारी नई झूंसी. उ0नि0 अंशुमान सिंह , उ0नि0 अखिल ओझा. हे0का0 अमित मिश्रा , थाना झूंसी , कमि0 प्रयागराज ।

मोहर्रम त्यौहार को लेकर डीएम एसपी ने क्षेत्र में किया फ्लैग मार्च

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। आगामी मोहर्रम पर्व को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराए जाने तथा जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के दृष्टिगत बुधवार को जिलाधिकारी कौशाम्बी डॉ0 अमित पाल एवं पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी सत्यनारायण द्वारा उपजिलाधिकारी चायल एवं क्षेत्राधिकारी चायल अभिषेक सिंह के साथ थाना संदीपनघाट क्षेत्रान्तर्गत कसिया पूर्व में ताजिया स्थलों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा ताजिया मार्गों, संवेदनशील स्थलों एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। तत्पश्चात अधिकारियों द्वारा पुलिस बल के साथ क्षेत्र में पैदल गश्त कर आमजन से संवाद स्थापित किया गया तथा आपसी सौहार्द एवं शांति बनाए रखने की अपील की गई।

जनपद पुलिस एवं प्रशासन मोहर्रम पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु प्रतिबद्ध है तथा किसी भी प्रकार की अफवाह अथवा कानून व्यवस्था प्रभावित करने वाले तत्वों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जिला स्तरीय एण्टी भूमाफिया टॉस्क फोर्स की बैठक

भूमाफियाओं पर गुण्डा एक्ट, एनएसए, गैंगेस्टर एक्ट के तहत प्रभावी कार्रवाई के दिए गए निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। पुलिस आयुक्त जोगेन्द्र कुमार व जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की सह अध्यक्षता में बुधवार को पुलिस लाइन सभागार में जनपद में चिन्हित भूमाफियाओं के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने तथा सरकारी भूमियों पर अवैध कब्जा करने वाले एवं भूमि सम्बंधी अपराधों में संलिप्त भूमाफियाओं को चिन्हित किए जाने के सम्बंध में जिला स्तरीय एण्टी भूमाफिया टॉस्क फोर्स की बैठक की गयी। बैठक में पुलिस आयुक्त एवं जिलाधिकारी के द्वारा भूमाफियाओं के विरूद्ध शासन की जीरो टॉलरेंस नीति के अनुरूप जनपद में सक्रिय भूमाफियाओं के विरूद्ध नियमानुसार प्रभावी कार्वाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने भूमाफियाओं के द्वारा किए गए अवैध कब्जों को हटाये जाने एवं अवैध तरीके से बनायी गयी सम्पत्तियों के जब्तीकरण तथा उनके विरूद्ध गुण्डा एक्ट, एनएसए, गैंगेस्टर एक्ट के तहत भी कार्यवाही करने के लिए कहा है। पुलिस आयुक्त व जिलाधिकारी ने भूमाफियाओ के विरूद्ध क्या कार्यवाही की जा रही है की प्रत्येक सप्ताह उनके द्वारा समीक्षा भी करने के लिए कहा है ।उन्होंने सभी तहसीलों के उपजिलाधिकारियो एवं एसीपी को भू-माफियाओं की पुरानी सूची की संयुक रूप से समीक्षा

करने तथा अपने-अपने क्षेत्र के नए भूमाफियाओ को चिह्नित करते हुए सूची को अपडेट करने तथा भूमाफियाओ की नयी सूची तैयार करने के निर्देश दिए हैं ताकि कोई भी भूमाफिया छूटे नहीं और उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जा सके। उन्होंने संबंधित एसडीएम व एसीपी को भू माफियाओं के चिन्हीकरण में संयुक्त रिपोट देने के निर्देश दिए हैं ।

उन्होंने भूमाफिया से संबंधित पोर्टल को अपडेट करने तथा उसमें जनपद के सभी भू-माफियाओं का नाम सम्मिलित करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि ज्यादातर आपराधिक घटनाओं के पीछे भूमि विवाद होता है इसलिए भूमि विवाद के मामलो में पुलिस विभाग के द्वारा भी त्वरित कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा धारा-24 के तहत पैमाइश करने के पश्चात करायी गई पत्थरगड़ी को विपक्षियों द्वारा बार-बार ध्वस्त कर हटा दिया जाता है इसलिए इस प्रकार के मामलो में पुलिस विभाग के द्वारा उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज करते हुए उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। इस अवसर पर बैठक में अपर पुलिस आयुक्त अजय पाल शर्मा, अपर पुलिस आयुक्त विजय ढुल , डीसीपी नगर मनीष कुमार शांडिल्य, डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत, डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र यादव, अपर जिलाधिकारी नजूल, मुख्य राजस्व अधिकारी संजय पांडेय सहित पुलिस व प्रशासन के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

हरे फेफड़ों की पुकार : वर्षावन बचेंगे तो धरती मुस्कुराएगी

कल्पना कीजिए कि एक सुबह आप जागें और पक्षियों का कलरव सुनाई न दे, हवा में ताजगी का अहसास न हो, नदियों का जल सूखने लगे और मौसम का मिजाज पूरी तरह अनिश्चित हो जाए। यह कोई काल्पनिक भय नहीं, बल्कि वह वास्तविक खतरा है जिसकी ओर दुनिया तेजी से बढ़ रही है। इसका एक बड़ा कारण है–वर्षावनों का लगातार घटता अस्तित्व।

धरती के विशाल प्राकृतिक खजानों में वर्षावनों का स्थान सबसे अनमोल है। इन्हें पृथ्वी के ह्लहरे फेफड़ेह्व कहा जाता है क्योंकि ये वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर जीवनदायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। यही कारण है कि प्रत्येक वर्ष 22 जून को विश्व वर्षावन दिवस मनाया जाता है, ताकि मानव समाज को यह याद दिलाया जा सके कि यदि वर्षावन सुरक्षित नहीं रहे तो धरती पर जीवन का संतुलन भी सुरक्षित नहीं रह पाएगा।

वर्षावन केवल पेड़ों का घना समूह नहीं हैं, बल्कि वे जीवन की विराट पाठशाला हैं। यहां लाखों प्रकार के वृक्ष, पौधे, पशु-पक्षी, कीट-पतंगे और सूक्ष्म जीव निवास करते हैं। दुनिया की असंख्य प्रजातियों का जीवन इन्हीं वनों से जुड़ा हुआ है। प्रकृति ने मानो अपनी सबसे सुंदर कृति इन्हीं हरित अंचलों में रची है। जब वर्षावन सांस लेते हैं, तब पूरी पृथ्वी जीवन का संगीत सुनती है।

दुर्भाग्य से आधुनिक विकास की अंधी दौड़ ने इस संगीत को शोर में बदलना शुरू कर दिया है। जंगलों की अंधाधुंध कटाई, अवैध खनन, औद्योगिक विस्तार, चौड़ी सड़कों का निर्माण और बढ़ता शहरीकरण वर्षावनों को निगल रहे हैं। हर मिनट हजारों पेड़ धराशायी हो रहे हैं। यह केवल पेड़ों का पतन नहीं, बल्कि प्रकृति की एक पूरी व्यवस्था का विघटन है। प्रत्येक कटता हुआ वृक्ष भविष्य की किसी वर्षा, किसी नदी और किसी जीव के अस्तित्व को कमजोर कर देता है।

जलवायु परिवर्तन की बढ़ती चुनौती ने वर्षावनों के महत्व को और अधिक बढ़ा दिया है। आज दुनिया भीषण गर्मी, अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और चक्रवात जैसी आपदाओं से जूझ रही है। वैज्ञानिक स्पष्ट रूप से बता रहे हैं कि यदि वनों का विनाश नहीं रुका तो वैश्विक तापमान में वृद्धि और अधिक गंभीर रूप ले सकती है। वर्षावन प्रकृति के उस वातानुकूलन तंत्र की तरह हैं जो पृथ्वी के तापमान को नियंत्रित रखते हैं। इनके बिना धरती का संतुलन बिगड़ना तय है।

वर्षावनों का योगदान केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं है। मानव स्वास्थ्य भी इन पर निर्भर करता है। आधुनिक चिकित्सा में प्रयुक्त अनेक औषधियों के मूल तत्व वर्षावनों के पौधों से प्राप्त होते हैं। हो सकता है कि भविष्य की किसी असाध्य बीमारी का उपचार भी किसी ऐसे पौधे में छिपा हो जिसकी पहचान अभी नहीं हुई है। यदि हम वर्षावनों को नष्ट कर देंगे तो शायद मानवता अनेक संभावित जीवनरक्षक खोजों से हमेशा के लिए वंचित हो जाएगी।

इन वनों की गोद में रहने वाले आदिवासी समुदाय प्रकृति के सच्चे संरक्षक हैं। उन्होंने सदियों से जंगलों को केवल संसाधन नहीं, बल्कि परिवार का सदस्य माना है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि विकास और प्रकृति का संतुलन संभव है।

आधुनिक समाज को उनके अनुभवों और परंपरागत ज्ञान से सीखने की आवश्यकता है।

आज आवश्यकता केवल सरकारों के प्रयासों की नहीं, बल्कि जनभागीदारी की भी है। यदि प्रत्येक नागरिक पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझे तो परिवर्तन संभव है। कागज का संयमित उपयोग, प्लास्टिक से दूरी, वृक्षारोपण, जल संरक्षण, ऊर्जा की बचत और पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों को अपनाने जैसे छोटे कदम मिलकर बड़े परिणाम ला सकते हैं।

अपने दल से अलग क्यों जा रहे सांसद

सुरेश हिंदुस्तानी

राजनीति में अवसर की तलाश करना आज के राजनेताओं का प्रिय विषय बनता जा रहा है। सीधे शब्दों इसे यूँ भी कहा जा सकता है कि राजनीति अब सेवा का मार्ग न होकर अवसरवादिता के आवरण को ओढ़ चुकी है। विपक्षी दलों खास कर तृणमूल कांग्रेस और अब उद्धव ठाकरे की शिवसेना के सांसदों का अलग होना कहीं न कहीं यही संकेत करता है कि ये सांसद अपने पार्टी के सिद्धांतों से किसी भी प्रकार का कोई सरोकार नहीं रखते थे, लिहाजा उन्होंने अपना खुद का एक राजनीतिक पाला बना लिया। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण यही माना जा रहा है कि अब विपक्ष की संभावनाएं धूमिल होती दिखाई दे रही हैं। विपक्ष की राजनीति का एक ही मुद्दा रह गया है, वह है आरोप की राजनीति। तुम आरोप लगाते रहो, हम काम करते जाएंगे। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच कुछ इसी प्रकार का खेल चल रहा है। यह बात सच है कि केवल आरोप लगाने की राजनीति के माध्यम से सत्ता का सिंहासन प्राप्त नहीं किया जा सकता। इसके लिए राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय हित और जनहित की ओर जाना ही होगा। आज की राजनीतिक स्थिति का विचार किया जाए तो यह कहना उचित ही होगा कि भाजपा का प्रचार सत्ता पक्ष की ओर से कम विपक्ष की ओर से ज्यादा किया जा रहा है। आज विपक्ष के नेताओं के बयान बिना भाजपा के अधूरे ही रहते हैं। राजनीति में कब क्या हो जाए, कोई भी व्यक्त नहीं कर सकता। इसके पीछे एक कारण यह भी हो सकता है कि आज का राजनेता किसी न किसी हेतु के लिए ही राजनीति कर रहा है, ऐसे राजनेता की न तो किसी दल से वैचारिक समानता होती है और न ही किसी राजनीतिक नेतृत्व के प्रति निष्ठा ही रहती है। ऐसे राजनेता अपने स्वार्थ को पूरा करने के अवसर की तलाश करते हैं। वर्तमान में विपक्षी राजनीतिक दलों के जो सांसद अपने दलों को छोड़ रहे हैं या छोड़ने का मन बना रहे हैं, वे अब शायद यह समझने लगे हैं कि उनका भविष्य अपने दल के साथ सुरक्षित नहीं है।

दल-बदल विरोधी कानून : स्थिरता की गारंटी या लोकतांत्रिक विवेक पर अंकुश?

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारतीय लोकतंत्र की सफलता का आधार केवल नियमित चुनाव नहीं, बल्कि निर्वाचित प्रतिनिधियों की जवाबदेही, राजनीतिक स्थिरता और जनादेश के प्रति निष्ठा भी है। संसद और विधानसभाएँ जनता की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती हैं तथा इन संस्थाओं की स्थिरता लोकतांत्रिक शासन के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक है। किंतु भारतीय राजनीति में लंबे समय तक दल-बदल की प्रवृत्ति ने लोकतांत्रिक व्यवस्था को गंभीर चुनौती दी। व्यक्तिगत लाभ, मंत्री पद, आर्थिक प्रलोभन अथवा राजनीतिक अवसरवाद के कारण निर्वाचित प्रतिनिधि बार-बार अपनी निष्ठा बदलते रहे, जिससे सरकारें गिरती रहीं और जनादेश का अपमान होता रहा। इसी समस्या के समाधान के लिए 1985 में संविधान के 52वें संशोधन द्वारा दसवीं अनुसूची के अंतर्गत दल-बदल विरोधी कानून लागू किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य निर्वाचित सदस्यों को राजनीतिक दलों के प्रति अनुशासित बनाए रखना तथा सरकारों की स्थिरता सुनिश्चित करना था।

हालाँकि समय के साथ यह कानून स्वयं बहस का विषय बन गया है। एक पक्ष इसे राजनीतिक भ्रष्टाचार और अवसरवाद के विरुद्ध आवश्यक सुरक्षा कवच मानता है, जबकि दूसरा पक्ष तर्क देता है कि यह सांसदों और विधायकों की स्वतंत्र सोच तथा अंतरात्मा के आधार पर निर्णय लेने की क्षमता को सीमित करता है। इस प्रकार दल-बदल विरोधी कानून भारतीय लोकतंत्र में स्थिरता और स्वतंत्रता के बीच संतुलन की जटिल बहस को जन्म देता है।

दल-बदल की समस्या स्वतंत्रता के बाद के दशकों में तेजी से बढ़ी। 1967 के आम चुनावों के बाद अनेक राज्यों में विधायकों ने बड़े पैमाने पर दल बदले। उस समय ह्लआया राम, गया रामह्व शब्दावली भारतीय राजनीति का प्रतीक बन गई। हरियाणा के विधायक गया लाल द्वारा एक ही दिन में कई बार दल बदलने की घटना ने इस समस्या की गंभीरता को उजागर किया। इसके परिणामस्वरूप सरकारें अस्थिर हुईं, राजनीतिक नैतिकता कमजोर हुई और जनता का लोकतांत्रिक संस्थाओं पर विश्वास कम होने लगा। इसी पृष्ठभूमि में दल-बदल को नियंत्रित करने की आवश्यकता महसूस हुई।

दसवीं अनुसूची के अनुसार यदि कोई निर्वाचित सदस्य स्वेच्छा से अपनी पार्टी की सदस्यता छोड़ देता है या पार्टी व्हिप के विरुद्ध मतदान करता है अथवा मतदान से अनुपस्थित रहता है, तो उसे अयोग्य ठहराया जा सकता है। स्वतंत्र सदस्य किसी दल में शामिल नहीं हो सकता और मनोनीत सदस्य भी निर्धारित अवधि के बाद किसी राजनीतिक दल में शामिल होने पर अयोग्य घोषित किया जा सकता है। अयोग्यता का निर्णय सदन के अध्यक्ष या सभापति द्वारा लिया जाता है।

इस कानून के समर्थकों का तर्क है कि भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में इसकी अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका रही है। सबसे पहले, इसने सरकारों की स्थिरता को मजबूत किया है। यदि निर्वाचित प्रतिनिधि व्यक्तिगत लाभ के लिए बार-बार दल बदलते रहें, तो सरकारें निरंतर संकट में रहेंगी और प्रशासनिक निर्णय प्रभावित होंगे। दल-बदल विरोधी कानून ने इस प्रवृत्ति पर कुछ हद तक अंकुश लगाया है।

दूसरे, यह कानून राजनीतिक भ्रष्टाचार को कम करने का प्रयास करता है। अक्सर दल-बदल मंत्री पद, धन अथवा अन्य लाभों के लिए किया जाता है। ऐसे अवसरवादी व्यवहार से लोकतांत्रिक मूल्यों को क्षति पहुँचती है। कानून का भय कम से कम खुले तौर पर होने वाले राजनीतिक सौदों को सीमित करता है।

तीसरे, यह जनादेश की रक्षा करता है। मतदाता प्रायः किसी उम्मीदवार को उसके दल, विचारधारा और चुनावी घोषणापत्र के आधार पर चुनते हैं। यदि निर्वाचित सदस्य बाद में दल बदल लेता है, तो वह मतदाताओं के विश्वास को ठेस पहुँचाता है। इसलिए दल-बदल विरोधी कानून मतदाताओं की अपेक्षाओं की रक्षा का माध्यम माना जाता है।

चौथे, यह राजनीतिक दलों के भीतर अनुशासन बनाए रखने में सहायक है। संसदीय शासन प्रणाली में सरकार की स्थिरता के लिए यह आवश्यक है कि दल के सदस्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर एकजुट रहें। यदि प्रत्येक सदस्य अपनी व्यक्तिगत प्राथमिकताओं के अनुसार मतदान करे, तो सरकार का संचालन कठिन हो सकता है।

इन सकारात्मक पक्षों के बावजूद दल-बदल विरोधी कानून की आलोचना भी व्यापक रूप से होती रही है। सबसे बड़ी आलोचना यह है कि यह निर्वाचित प्रतिनिधियों की स्वतंत्र अभिव्यक्ति और अंतरात्मा की स्वतंत्रता को सीमित करता है। संसदीय लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यह है कि सांसद और विधायक जनता के प्रतिनिधि हैं, केवल राजनीतिक दलों के एजेंट नहीं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे किसी विधेयक या नीति पर अपने विवेक, अनुभव और जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लें। किंतु व्हिप की बाध्यता के कारण उन्हें दल के निर्देशों का पालन करना पड़ता है, चाहे उनकी व्यक्तिगत राय कुछ भी हो।

यह स्थिति लोकतांत्रिक विमर्श को कमजोर करती है। संसद और विधानसभाओं का उद्देश्य केवल सरकार के प्रस्तावों को मंजूरी देना नहीं, बल्कि गहन चर्चा और विचार-विमर्श के माध्यम से बेहतर नीतियों का निर्माण करना है। जब सदस्य स्वतंत्र रूप से मत व्यक्त करने से डरते हैं, तो बहस की गुणवत्ता प्रभावित होती है और विधायिका की भूमिका सीमित हो जाती है।

कानून की दूसरी प्रमुख कमजोरी अध्यक्ष या सभापति की भूमिका से जुड़ी है। अयोग्यता संबंधी निर्णय लेने का अधिकार अध्यक्ष को दिया गया है, जो सामान्यतः किसी राजनीतिक दल से संबंधित होता है। कई मामलों में यह आरोप लगाया गया है कि अध्यक्षों ने राजनीतिक हितों के अनुसार निर्णय लेने में देरी की या पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया। इससे कानून की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगता है।

तीसरी आलोचना यह है कि कानून ने दल-बदल को पूरी तरह समाप्त नहीं किया, बल्कि उसके स्वरूप को बदल दिया है। पहले व्यक्तिगत स्तर पर दल-बदल होता था, जबकि अब सामूहिक इस्तीफों और पुनर्निर्वाचन के माध्यम से सरकारें गिराई जाती हैं। हाल के वर्षों में कई राज्यों में विधायकों ने पहले इस्तीफा दिया और बाद में दूसरे दल में शामिल होकर पुनः चुनाव लड़ा। इससे स्पष्ट होता है कि कानून की भावना को दरकिनार करने के नए तरीके खोज लिए गए हैं।

चौथा, यह कानून राजनीतिक दलों के नेतृत्व को अत्यधिक शक्तिशाली बना देता है। दल के शीर्ष नेतृत्व द्वारा जारी व्हिप का पालन करना सदस्यों के लिए अनिवार्य हो जाता है। इससे आंतरिक लोकतंत्र कमजोर पड़ता है और पार्टी के भीतर असहमति व्यक्त करने की गुंजाइश कम हो जाती है। परिणामस्वरूप निर्वाचित प्रतिनिधि अपने क्षेत्र की जनता की अपेक्षाओं की बजाय पार्टी नेतृत्व की प्राथमिकताओं को अधिक महत्व देने लगते हैं।

इन आलोचनाओं को देखते हुए विभिन्न आयोगों और विशेषज्ञों ने सुधारों का सुझाव दिया है। विधि आयोग, राष्ट्रीय संविधान समीक्षा आयोग तथा कई संवैधानिक विशेषज्ञों ने सुझाव दिया है कि दल-बदल विरोधी कानून का दायरा सीमित किया जाए। उनका मानना है कि व्हिप केवल उन मामलों में लागू होना चाहिए जो सरकार के अस्तित्व से सीधे जुड़े हों, जैसे विश्वास प्रस्ताव, अविश्वास प्रस्ताव, विनियोग विधेयक या अन्य महत्वपूर्ण वित्तीय विषय। सामान्य विधायी मामलों में सदस्यों को स्वतंत्र रूप से मतदान करने की अनुमति मिलनी चाहिए।

इसी प्रकार अयोग्यता संबंधी निर्णय अध्यक्ष के बजाय किसी स्वतंत्र न्यायिक प्राधिकरण अथवा निर्वाचन आयोग को सौंपने का सुझाव भी दिया गया है। इससे निष्पक्षता और पारदर्शिता बढ़ सकती है।

सर्वोच्च न्यायालय ने भी कई मामलों में निर्णय प्रक्रिया में अनावश्यक देरी पर चिंता व्यक्त की है और समयबद्ध निपटान की आवश्यकता पर बल दिया है।

अन्य लोकतांत्रिक देशों का अनुभव भी इस बहस को रोचक बनाता है। ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे संसदीय लोकतंत्रों में दलगत अनुशासन तो है, किंतु भारत जैसी कठोर अयोग्यता व्यवस्था नहीं है। वहाँ सांसद कई बार पार्टी लाइन से अलग मतदान करते हैं, फिर भी उनकी सदस्यता समाप्त नहीं होती। इससे संसदीय बहस अधिक स्वतंत्र और जीवंत बनी रहती है।

दूसरी ओर भारत जैसी विविधतापूर्ण

कश्मीर में गूंजते मंत्र और भाईचारे का संदेश

महेन्द्र तिवारी

कश्मीर को सदियों से विविध संस्कृतियों, परंपराओं और आस्थाओं की साझा भूमि के रूप में जाना जाता रहा है। यहाँ की पहचान केवल उसकी प्राकृतिक सुंदरता से नहीं, बल्कि उस सामाजिक ताने-बाने से भी रही है जिसमें अलग-अलग समुदायों ने लंबे समय तक एक साथ जीवन बिताया। कश्मीरी पंडित और मुसलमानों के बीच पीढ़ियों से विकसित हुए सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय संबंध इस भूमि की सबसे बड़ी विशेषताओं में रहे हैं। हालांकि 1989 और 1990 के उथल-पुथल भरे दौर ने इस साझा जीवन को गहरी चोट पहुँचाई। बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडितों को घाटी छोड़कर देश के विभिन्न भागों में विस्थापित जीवन बिताने के लिए मजबूर होना पड़ा। उस दौर की पीड़ा आज भी हजारों परिवारों की स्मृतियों में जीवित है। ऐसे समय में दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के मुर्रान गाँव से आई एक खबर ने अनेक लोगों के मन में आशा का संचार किया है। लगभग 36 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद कश्मीरी पंडित अपनी कुलदेवी के मंदिर में हवन और पूजा-अर्चना के लिए लौटे और स्थानीय मुस्लिम समुदाय ने उनका स्वागत कर भाईचारे का संदेश दिया।

यह घटना केवल एक धार्मिक अनुष्ठान भर नहीं थी, बल्कि यह उन भावनाओं का संगम थी जो दशकों से लोगों के भीतर कहीं दबकर रह गई थीं। जब वर्षों पहले अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए लोग वापस अपने गाँव पहुँचे तो उनके सामने केवल मंदिर नहीं था, बल्कि उनकी स्मृतियाँ थीं, उनका बचपन था, उनके पूर्वजों की यादें थीं और वे रिश्ते थे जो समय और दूरी के बावजूद पूरी तरह समाप्त नहीं हुए थे। अनेक परिवारों के लिए यह यात्रा अतीत और वर्तमान के बीच एक भावनात्मक पुल बन गई। जिन गलियों में उन्होंने बचपन बिताया था, जिन घरों के आँगनों में खेला था और जिन पड़ोसियों के साथ जीवन के सुख-दुख साझा किए थे, उन सबको फिर से देखना उनके लिए अत्यंत भावुक अनुभव रहा। मुर्रान गाँव उन स्थानों में से एक है जहाँ कभी कश्मीरी पंडितों और मुसलमानों का जीवन एक-दूसरे से गहराई से जुड़ा हुआ था। दोनों समुदाय सामाजिक अवसरों, पारिवारिक आयोजनों और स्थानीय परंपराओं में सहभागिता करते थे। लेकिन 1989-90 के दौरान बढ़ी हिंसा और असुरक्षा की परिस्थितियों ने इस सामाजिक संतुलन को तोड़ दिया। बड़ी संख्या में पंडित परिवारों ने अपने घर, जमीन, व्यवसाय और सामाजिक परिवेश को छोड़कर पलायन किया। विस्थापन केवल भौगोलिक परिवर्तन नहीं होता, वह व्यक्ति की पहचान, स्मृतियों और सामाजिक संबंधों को भी प्रभावित करता है। इसलिए जब कोई परिवार दशकों बाद अपने मूल स्थान पर लौटता है तो वह केवल एक जगह पर नहीं लौटता, बल्कि अपनी जड़ों और इतिहास से पुनः जुड़ने का प्रयास करता है।

मुर्रान में आयोजित पूजा-अर्चना का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष स्थानीय मुस्लिम समुदाय की भागीदारी रही। उपलब्ध जानकारी के अनुसार स्थानीय लोगों ने मंदिर परिसर की सफाई, व्यवस्था और आयोजन की तैयारियों में सहयोग दिया। उन्होंने लौटकर आए कश्मीरी पंडितों का स्वागत किया और उनके साथ संवाद स्थापित किया। यह सहयोग केवल औपचारिक नहीं था, बल्कि उसमें उन पुराने रिश्तों की झलक दिखाई दी जो कभी इस क्षेत्र की सामान्य सामाजिक वास्तविकता हुआ करते थे। जब विभिन्न समुदायों के लोग एक-दूसरे के धार्मिक ल्ला सांस्कृतिक आयोजनों का सम्मान करते हैं, तब समाज में विश्वास का वातावरण मजबूत होता है। मुर्रान की घटना इसी विश्वास की पुनर्स्थापना का संकेत देती है। कई लौटे हुए परिवारों ने अपने पुराने पड़ोसियों से मुलाकात की। वर्षों बाद हुए इन मिलनों में भावनाएँ स्वाभाविक रूप से उमड़ पड़ीं। कुछ लोगों ने उन दिनों को याद किया जब पूरा गाँव एक परिवार की तरह रहता था। कुछ ने अपने उन मित्रों को याद किया जिनके साथ उन्होंने जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष बिताए थे। ऐसे अवसर यह दिखाते हैं कि राजनीतिक और सुरक्षा संबंधी परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, मानवीय रिश्तों की स्मृतियाँ लंबे समय तक जीवित रहती हैं। यही स्मृतियाँ भविष्य में नए विश्वास का आधार भी बन सकती हैं।

इस घटना का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि पुलवामा का नाम पिछले कई वर्षों तक आतंकवाद, हिंसा और तनाव से जुड़ी खबरों में प्रमुखता से आता रहा है। देश और दुनिया के अनेक लोगों के मन में पुलवामा की पहचान संघर्ष और अस्थिरता से जुड़ी रही है। ऐसे क्षेत्र से भाईचारे, सहयोग और सामाजिक सौहार्द की खबर सामने आना एक सकारात्मक संकेत माना जा सकता है।

यह बताता है कि किसी भी क्षेत्र की वास्तविकता केवल संघर्ष तक

सत्ता पक्ष में जाने के बाद क्या बागी सांसदों को टिकट मिलेगा?

सौरभ वार्ष्णेय

भारतीय राजनीति में दल-बदल कोई नई घटना नहीं है। समय-समय पर विभिन्न दलों के नेता और सांसद राजनीतिक परिस्थितियों, व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं या वैचारिक मतभेदों के कारण अपने दल छोड़कर दूसरे दलों का दामन थामते रहे हैं। हाल के वर्षों में कई राज्यों में यह प्रवृत्ति और अधिक बढ़ी है। ऐसे में सबसे बड़ा प्रश्न यह उठता है कि सत्ता पक्ष में शामिल होने वाले बागी सांसदों को क्या अगले चुनाव में टिकट मिलेगा?

राजनीति में टिकट का निर्धारण केवल निष्ठा के आधार पर नहीं होता, बल्कि जीत की संभावना, जनाधार और पार्टी की रणनीति भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सत्ता पक्ष आमतौर पर उन नेताओं को अपने साथ जोड?ा चाहता है जो चुनावी दृष्टि से लाभकारी साबित हो सकते हैं। इसलिए यदि कोई बागी सांसद अपने क्षेत्र में मजबूत जनाधार रखता है और उसके आने से पार्टी को राजनीतिक फायदा होता है, तो उसे टिकट मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

हालांकि यह भी सच है कि किसी दल में वर्षों से कार्य कर रहे पुराने कार्यकर्ताओं और नेताओं के लिए ऐसे फैसले असंतोष का कारण बन सकते हैं। जब बाहर से आए नेता को प्राथमिकता मिलती है, तो संगठन के भीतर नाराजगी बढ? का खतरा रहता है। कई बार यही नाराजगी चुनावी नुकसान का कारण भी बन जाती है। इसलिए राजनीतिक दलों को संतुलन बनाकर चलना पड़ता है।

दूसरी ओर, बागी सांसदों के सामने भी चुनौती कम नहीं होती। दल बदलने के बाद उन्हें नए दल की विचारधारा, संगठन और कार्यकताओं के बीच अपनी स्वीकार्यता साबित करनी पड़ती है। केवल सत्ता पक्ष में शामिल हो जाना टिकट या राजनीतिक भविष्य की गारंटी नहीं है। यदि पार्टी नेतृत्व को लगता है कि संबंधित नेता चुनाव जिताने में सक्षम नहीं है, तो टिकट किसी अन्य उम्मीदवार को भी दिया जा सकता है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में दल-बदल की बढ़ती घटनाएं राजनीतिक सिद्धांतों और जनादेश की भावना पर भी सवाल खड़े करती हैं। मतदाता किसी उम्मीदवार के साथ-साथ उसकी पार्टी और विचारधारा को भी ध्यान में रखकर मतदान करता है। ऐसे में बार-बार होने वाले राजनीतिक पलायन से जनता के बीच विश्वास का संकट पैदा होना स्वाभाविक है।

बागी सांसदों को टिकट मिलेगा या नहीं, इसका निर्णय राजनीतिक समीकरणों, जनाधार, संगठनात्मक संतुलन और चुनावी संभावनाओं पर निर्भर करेगा। लेकिन यह अपेक्षा अवश्य की जानी चाहिए।

मोबाइल, तनाव और भागदौड़ के दौर में क्यों जरूरी है 7-8 घंटे की गहरी नींद?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

आधुनिक डिजिटल युग में मनुष्य विज्ञान, तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की नई ऊंचाइयों को छू रहा है, परंतु विडंबना यह है कि विकास और व्यस्तता की इस दौड़ में वह अपनी सबसे महत्वपूर्ण जैविक आवश्यकता–नींद–से लगातार समझौता करता जा रहा है। आज मोबाइल फोन, सोशल मीडिया, ओटीटी प्लेटफॉर्म, देर रात तक काम करने की संस्कृति, बढ़ती प्रतिस्पर्धा और तनावपूर्ण जीवनशैली ने लाखों लोगों की नींद छीन ली है। विश्वभर के स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण नींद केवल आराम का माध्यम नहीं, बल्कि शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य का मूल आधार है। यदि भोजन शरीर के लिए ईंधन है, तो नींद शरीर और मस्तिष्क की मरम्मत और पुनर्निर्माण की प्रक्रिया है। भारतीय संस्कृति और साहित्य में भी नींद को अत्यंत महत्व दिया गया है। लोकगीतों, कहावतों और फिल्मों में नींद को सुख, शांति और संतोष का प्रतीक माना गया है। ह्लरातों की नींद उड़ जानाह्व आज भी चिंता और तनाव का सबसे प्रचलित प्रतीकात्मक वाक्य है। वर्तमान समय में यह केवल मुहावरा नहीं रहा, बल्कि एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बन चुका है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार अनिद्रा और अपर्याप्त नींद अब जीवनशैली से जुड़ी सबसे तेजी से बढ़ती समस्याओं में शामिल हैं।

साथियों, यदि हम पर्याप्त नींद न आने के कारणों पर विचार करें, तो इसके पीछे अनेक कारक जिम्मेदार हैं। अनियमित दिनचर्या, देर रात तक मोबाइल और लैपटॉप का उपयोग, लगातार सोशल मीडिया पर सक्रिय रहना, मानसिक तनाव, आर्थिक चिंताएं, कार्यस्थल का दबाव, कैफीनयुक्त पेय पदार्थों का अत्यधिक सेवन, धूम्रपान, शराब, शारीरिक गतिविधियों की कमी तथा असंतुलित जीवनशैली प्रमुख कारण हैं। इसके अतिरिक्त मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, थायरॉइड विकार, अवसाद और चिंता संबंधी रोग भी नींद की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं।

आज चिकित्सा विज्ञान यह स्वीकार करता है कि अनिद्रा (इंसोम्निया) केवल एक छोटी समस्या नहीं, बल्कि एक गंभीर स्वास्थ्य विकार है। इसमें व्यक्ति को सोने में कठिनाई होती है, बार-बार नींद टूटती है, या सुबह उठने के बाद भी ताजगी महसूस नहीं होती। परिणामस्वरूप व्यक्ति दिनभर थकान, चिड़चिड़ापन, तनाव और कार्यक्षमता में कमी का अनुभव करता है। यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहे, तो मानसिक और शारीरिक दोनों स्तरों पर गंभीर दुष्परिणाम सामने आ सकते हैं।

साथियो, अल्पकालीन प्रभावों की बात करें तो नींद की कमी से एकाग्रता प्रभावित होती है, निर्णय लेने की क्षमता कमजोर पड़ती है, स्मरणशक्ति घटती है और कार्य में रुचि कम होने लगती है। व्यक्ति छोटी-छोटी बातों पर क्रोधित होने लगता है तथा सामाजिक और पारिवारिक संबंधों पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। विद्यार्थियों में इसका असर अध्ययन और परीक्षा परिणामों पर पड़ता है, जबकि नौकरीपेशा लोगों में कार्यक्षमता और उत्पादकता घट जाती है।

यदि यही स्थिति लंबे समय तक जारी रहे, तो इसके परिणाम और अधिक गंभीर हो सकते हैं। शोध बताते हैं कि लगातार अपर्याप्त नींद लेने वाले लोगों में उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, मधुमेह, मोटापा, स्ट्रोक, अवसाद और प्रतिरक्षा प्रणाली की कमजोरी का खतरा बढ़ जाता है। पर्याप्त नींद न लेने से शरीर में सूजन बढ़ाने वाले जैविक तत्व सक्रिय हो जाते हैं, जो अनेक दीर्घकालिक रोगों का कारण बन सकते हैं। विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि लगातार खराब नींद व्यक्ति की जीवन प्रत्याशा और जीवन की गुणवत्ता दोनों को प्रभावित कर सकती है।

साथियों, वर्तमान परिस्थितियों में एक नई समस्या ह्लस्लीप डेफिसिटह्व या ह्लनींद का ऋणह्व बनकर सामने आई है। अनेक लोग सप्ताह भर कम नींद लेते हैं और सप्ताहांत में अधिक सोकर उसकी भरपाई करने का प्रयास करते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह उपाय पूर्णतः प्रभावी नहीं है, क्योंकि शरीर को नियमित और गुणवत्तापूर्ण नींद की आवश्यकता होती है। नींद का लगातार जमा होता ऋण मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संतुलन और रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर कर सकता है।

साथियों, नींद केवल शरीर को आराम नहीं देती, बल्कि मस्तिष्क को भी व्यवस्थित करती है। जब हम सोते हैं, तब मस्तिष्क पूरे दिन प्राप्त सूचनाओं को व्यवस्थित करता है, यादों को मजबूत बनाता है और अनावश्यक सूचनाओं को हटाता है। यही कारण है कि पर्याप्त नींद लेने वाले लोगों की स्मरणशक्ति, रचनात्मकता और समस्या समाधान क्षमता बेहतर होती है। आधुनिक शोध यह भी दशार्ते हैं कि अच्छी नींद मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाती है तथा चिंता और अवसाद के जोखिम को कम करती है।

साथियों, विशेषज्ञों के अनुसार वयस्कों को प्रतिदिन औसतन 7 से 9 घंटे की गुणवत्तापूर्ण नींद लेना आवश्यक है। किशोरों और बच्चों के लिए यह आवश्यकता इससे अधिक हो सकती है। केवल घंटों की संख्या ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि नींद की गुणवत्ता भी उतनी ही आवश्यक है। बार-बार टूटने वाली या अशांत नींद भी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकती है।अच्छी नींद प्राप्त करने के लिए कुछ सरल उपाय अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो सकते हैं। प्रतिदिन एक निश्चित समय पर सोने और जागने की आदत डालें। सोने से कम से कम एक घंटा पहले मोबाइल, टीवी और लैपटॉप का उपयोग बंद कर दें। रात में कैफीनयुक्त पेय पदार्थों से बचें। नियमित व्यायाम करें, परंतु सोने से ठीक पहले भारी व्यायाम न करें। शयनकक्ष को शांत, स्वच्छ और अंधकारयुक्त रखें। ध्यान, योग और मधुर संगीत भी मन को शांत कर बेहतर नींद में सहायक हो सकते हैं।

साथियों, पर्याप्त नींद लेने के लाभ अनेक हैं। इससे रक्तचाप नियंत्रित रहता है, हृदय स्वस्थ रहता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है, स्मरणशक्ति और एकाग्रता बढ़ती है, मानसिक संतुलन बना रहता है तथा व्यक्ति पूरे दिन ऊजार्वान और प्रसन्नचित्त महसूस करता है। अच्छी नींद हमारे चेहरे पर प्राकृतिक चमक और मुस्कान भी बनाए रखती है।अतः यदि हम उपरोक्त विवरण का अध्ययन और विश्लेषण करें तो स्पष्ट होता है कि ह्लनींद उड़ी तो सेहत बिगड़ीह्व केवल एक कहावत नहीं, बल्कि वैज्ञानिक सत्य है। पर्याप्त नींद हमारे शरीर और मस्तिष्क को पुनर्जीवित करने वाली प्राकृतिक औषधि है। यह हमें शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से मजबूत बनाती है। इसलिए आधुनिक जीवन की भागदौड़ में भी हमें अपनी नींद को प्राथमिकता देनी चाहिए।

उत्तर प्रदेश की चार विभूतियों को पद्मश्री सम्मान, राष्ट्रपति ने किया अलंकृत

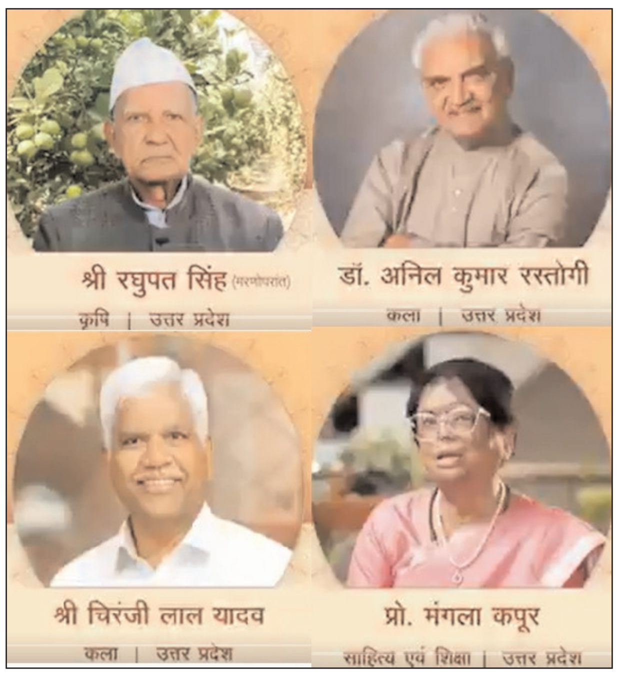

वाराणसी।
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में आयोजित पद्म पुरस्कार अलंकरण समारोह द्वितीय में उत्तर प्रदेश की चार विशिष्ट हस्तियों को पद्मश्री सम्मान से अलंकृत किया।

इनमें से एक को मरणोपरांत सम्मान दिया गया और यह सम्मान उनके परिजनों ने लिया। समारोह में देशभर की 65 विभूतियों को विभिन्न क्षेत्रों में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए पद्म पुरस्कार प्रदान किए गए।

उत्तर प्रदेश से वाराणसी की प्रख्यात संगीतज्ञ ,शिक्षाविद् प्रो. मंगला कपूर को साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए पद्मश्री सम्मान प्रदान किया गया। शिक्षा, भारतीय संस्कृति और समाज सेवा के क्षेत्र में उनके दीर्घकालिक और बहुआयामी कार्यों को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है। लखनऊ के वरिष्ठ रंगकर्मी, अभिनेता और सांस्कृतिक व्यक्तित्व डॉ. अनिल कुमार रस्तोगी को कला एवं रंगमंच के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए पद्मश्री से सम्मानित किया गया। उन्होंने दशकों से भारतीय रंगकर्म और सांस्कृतिक गतिविधियों को नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कृषि क्षेत्र में अभिनव और प्रेरणादायी कार्यों के लिए मुरादाबाद के स्वर्गीय रघुपत सिंह को मरणोपरांत पद्मश्री सम्मान प्रदान किया गया। उनकी ओर से यह सम्मान उनके परिवार के सदस्य ने ग्रहण किया। कृषि नवाचारों और ग्रामीण विकास के लिए उनके योगदान ने किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में अहम भूमिका निभाई है।

इसी क्रम में मुरादाबाद के प्रसिद्ध शिल्पकार चिरंजी लाल यादव को पारंपरिक हस्तशिल्प एवं धातु कला के संरक्षण, संवर्धन और उत्कृष्ट सृजनात्मक योगदान के लिए पद्मश्री सम्मान से नवाजा गया। उनके कार्यों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना प्राप्त हुई है। समारोह में उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश की इन चार विभूतियों को मिला यह सम्मान न केवल राज्य बल्कि पूरे देश के लिए गौरव का विषय है। उनके कार्य आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे ।

बीएचयू में ऐप-आधारित ई-बाइक शेयरिंग नेटवर्क की होगी शुरूआत

वाराणसी।
स्वच्छ एवं सतत परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में एक काशी हिन्दू विश्वविद्यालय और वाराणसी स्मार्ट सिटी ने बड़ी पहल की है। विश्वविद्यालय परिसर में ऐप-आधारित सार्वजनिक साइकिल एवं ई-बाइक शेयरिंग नेटवर्क स्थापित करने के लिए दोनों ने साझेदारी की है। इस सेवा का संचालन प्रारम्भ होने पर उपयोगकर्ता मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से जीपीएस-एनेबल्ड साइकिलों तथा उच्च क्षमता वाली ई-बाइक का उपयोग कर सकेंगे। इस एप्लिकेशन में उपयोगकर्ता-आधारित भुगतान व्यवस्था उपलब्ध होगी, जिसके माध्यम से उपयोग शुल्क का सुविधाजनक भुगतान कर इन साइकिल औ? ई-बाइक को इस्तेमाल किया जा सकेगा।

यह प्रणाली विश्वविद्यालय परिसर में सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के साथ-साथ उपयोगकताओं को शहर के व्यापक परिवहन नेटवर्क से भी जोड़ेगी। इस सुविधा के अगस्त माह के अंत तक प्रारम्भ होने की संभावना है। यह जानकारी मंगलवार को बीएचयू के जनसम्पर्क कार्यालय ने दी।

बताया गया कि परियोजना के अंतर्गत बीएचयू परिसर के विभिन्न रणनीतिक एवं अधिक आवागमन वाले स्थानों पर डॉकिंग स्टेशन स्थापित किए जा रहे हैं। प्रारम्भिक चरण में ई-बाइक तथा पारंपरिक पैडल साइकिलों दोनों की व्यवस्था की जाएगी, जिससे उपयोगकताओं को सुलभ एवं पर्यावरण-अनुकूल आवागमन के विकल्प उपलब्ध होंगे। सुरक्षा एवं कुशल संचालन सुनिश्चित करने के लिए सभी वाहनों को लाइव जीपीएस ट्रैकिंग प्रणाली से लैस किया जाएगा, जिसे शहर के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से जोड़ा जाएगा। यह पहल सतत परिवहन को प्रोत्साहित करने, मोटर चालित वाहनों पर निर्भरता कम करने तथा विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और आगंतुकों के बीच स्वस्थ आवागमन की संस्कृति को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होगी।

पिछड़ा वर्ग शादी अनुदान के तहत पात्र परिवारों को मिलेगा 20 हजार का अनुदान

हमीरपुर।
अन्य पिछड़ा वर्ग (अल्पसंख्यक समुदाय को छोड़कर) के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की पुत्रियों के विवाह में सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित शादी अनुदान योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले को 771 लाभार्थियों के लिए 154.20 लाख रुपये का बजट आवंटित किया गया है।

जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी अमित सोनकर ने मंगलवार को बताया कि योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को पुत्री के विवाह के लिए 20 हजार की अनुदान राशि प्रदान की जाएगी। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदक को विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। ऑनलाइन आवेदन पूर्ण करने के उपरांत समस्त आवश्यक अभिलेखों सहित आवेदन पत्र संबंधित उप जिलाधिकारी अथवा खंड विकास अधिकारी कार्यालय में सात दिवस के भीतर जमा करना अनिवार्य होगा।

उन्होंने बताया कि ऑनलाइन आवेदन विवाह की तिथि से 90 दिन पूर्व अथवा विवाह की तिथि के 90 दिन बाद तक किया जा सकता है। योजना का लाभ केवल अन्य पिछड़ा वर्ग (अल्पसंख्यक वर्ग को छोड़कर) के ऐसे निर्धन परिवारों को मिलेगा, जिनकी वार्षिक आय ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र दोनों में 01 लाख से अधिक न हो। आवेदन के साथ तहसीलदार द्वारा निर्गत आय एवं जाति प्रमाण पत्र, विवाह कार्ड, वर एवं वधु के आधार कार्ड अथवा आयु प्रमाण पत्र, आवेदक का आधार कार्ड एवं बैंक पासबुक की प्रति संलग्न करना आवश्यक है। पिता की मृत्यु की स्थिति में माता का आय एवं जाति प्रमाण पत्र मान्य होगा।

26 से 28 जून तक यमुना पुल पर रात्रिकालीन यातायात रहेगा प्रतिबंधित : जिलाधिकारी

हमीरपुर।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के जिलाधिकारी अभिषेक गोयल ने जनपदवासियों को अवगत कराया है कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा हमीरपुर स्थित यमुना पुल पर बिटुमिनस ओवरले (सड़क मरम्मत) कार्य कराया जाना प्रस्तावित है। पुल पर भारी यातायात दबाव एवं सीमित चौड़ाई के कारण निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप कार्य संपादित करने हेतु यातायात को अस्थायी रूप से प्रतिबंधित किया जाना आवश्यक है।

जिलाधिकारी ने मंगलवार को शाम बताया कि एनएचएआई के अनुरोध पर जनसुरक्षा एवं कार्य की गुणवत्ता को दृष्टिगत रखते हुए 26 जून, 27 जून एवं 28 जून, 2026 को प्रतिदिन रात्रि 8 बजे से प्रातः 8 बजे तक यमुना पुल पर यातायात पूर्णतः बंद रहेगा। इस अवधि में पुल पर बिटुमिनस ओवरले का कार्य कराया जाएगा।

उन्होंने कहा कि यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने एवं आमजन को असुविधा से बचाने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं। कानपुर एवं घाटमपुर से सुमेरपुर, कुरारा तथा महोबा की ओर जाने वाले वाहन चौडगरा-बांदा मार्ग अथवा उरई-बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे मार्ग का उपयोग कर सकेंगे।

चूल्हे की चिंगारी से लगी आग, दो मकान जलकर खाक

आग लगने से दो भाइयों के मकान व गृहस्थी जलकर खाक

हमीरपुर।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के कुरारा थानाक्षेत्र के शंकरपुर गांव में मंगलवार को चूल्हे की चिंगारी से कच्चे खपरैल वाले मकान में आग लग जाने से दो भाइयों के मकान जलकर खाक हो गये। वहीं दमकल दस्ते ने मौके पर आग पर काबू पाया। आगजनी में घर गृहस्थी का सामान जल कर खाक हो गया।

क्षेत्र के शंकर पुर गांव निवासी अनिल शंखवार व सुनील शंखवार के कच्चे खपरैल वाले मकान में मंगलवार को चूल्हे की चिंगारी से आग लग गई। जिससे आग ने विकराल रूप धारण कर लिया तथा दोनों भाइयों के कच्चे मकान धू धू कर जलने लगे। आग की लपटें देख ग्रामीणों ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया तथा घटना की सूचना थाना कुरारा पुलिस व दमकल दस्ते को दी। तब दमकल दस्ते ने आग पर काबू पाया। पीड़ित भाइयों ने बताया कि आगजनी में कच्चा मकान सहित घर गृहस्थी का सामान जलकर खाक हो गया। आगजनी में लाखों रुपये का नुकसान हो गया है। आगजनी की घटना की जानकारी मिलने पर समाजसेवी गणेश तिवारी भी अपनी टीम के साथ मौके पर गए तथा सहयोग किया और पीड़ित को हरसंभव मदद कराए जाने की बात कही। तथा लेखपाल को घटना की सूचना दी गई है। थानाध्यक्ष कुरारा प्रिंस दीक्षित ने बताया कि आग लगने की सूचना पर दमकल गाड़ी मौके पर पहुंचाई गई। कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। बताया कि आग से नुकसान होने की सूचना लेखपाल को दी गई है। वह जांच कर रिपोर्ट तैयार करेंगे।

एससी-एसटी मामले में पिता और तीन पुत्रों को तीन- तीन वर्ष की कैद

हमीरपुर।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में गाली गलौज व जान से मारने की धमकी देने के मामले में मंगलवार को न्यायालय एससी एसटी एक्ट के न्यायाधीश ने पिता व तीन आरोपी पुत्रों तीन-तीन वर्ष का कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 9500-9500 रुपये अर्थदंड से भी दंडित किया है।

विशेष लोक अभियोजक विजय सिंह ने बताया कि राठ कोतवाली क्षेत्र के सरसई गांव निवासी एक महिला ने 14 अक्टूबर 2001 में कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि गांव के ही सोहनलाल पुत्र परमलाल काछी व उसके पुत्र कल्लू उर्फ खूबचन्द्र, मंगल व किशोरा पशुबाड़े में कब्जा करने को लेकर जातिसूचक शब्दों से गाली गलौज करने व विरोध करने पर मारपीट की। साथ ही जान से मारने की धमकी दी और जबरिया पशुबाड़े में कब्जा कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा-323/34, 504, 506, 427, 447 भा०द०सं० व 3 (1) 10 एससी एसटी एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत चिन्हित मामले में अभियोजन विभाग से समन्वय करके समयबद्ध रूप से साक्षियों का साक्ष्य कराकर प्रभावी पैरवी किए जाने के चलते मंगलवार को न्यायालय एससी एसटी एक्ट के न्यायाधीश ने आरोपित पिता सोहनलाल सहित पुत्र कल्लू, मंगल व किशोरा को दोषसिद्ध करते हुए प्रत्येक को 3-3 वर्ष के कारावास की सजा एवं प्रत्येक को 9,500-9,500 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

जनसुरक्षा को लेकर महापौर गणेश केसरवानी का बड़ा कदम, शहरभर में अग्नि सुरक्षा मानकों की होगी व्यापक जांच

प्रयागराज।
नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मंगलवार को प्रयागराज के महापौर गणेश केसरवानी ने शहर में अग्नि एवं आपदा सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। इसके तहत शहर के सभी कमर्शियल मॉल, कोचिंग संस्थान, घरों में संचालित डिजिटल लाइब्रेरी, होटल, रेस्टोरेंट, अस्पताल, बैंक्वेट हॉल, मल्टीस्टोरी व्यावसायिक भवनों सहित अन्य सार्वजनिक प्रतिष्ठानों में विशेष अग्नि सुरक्षा जांच अभियान चलाया जाएगा।

छात्रों के हित में कांग्रेस चलाएगी छात्रों की गूंज अभियान

झांसी।
नीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक मामलों को लेकर कांग्रेस पार्टी ने केंद्र सरकार और भाजपा पर तीखा हमला बोला है। झांसी में मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में कांग्रेस नेताओं ने शिक्षा व्यवस्था में भ्रष्टाचार और लापरवाही का आरोप लगाते हुए छात्रों के हितों की रक्षा के लिए ह्यछात्रों की गूंज अभियान चलाने की घोषणा की।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता गौरव जैन ने कहा कि केंद्र सरकार का ध्यान शिक्षा और युवाओं के भविष्य पर नहीं है।

दस-दस हजार के दो इनामी गौकश मुठभेड़ में गिरफ्तार

दोनों में से एक के पैर में लगी गोली,दो अन्य साथी फरार

शाहजहांपुर।
उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले के कांट थाना क्षेत्र में पुलिस और गौकशों के बीच हुई मुठभेड़ में दस-दस हजार रुपये के इनामी दो गौकशों को गिरफ्तार कर लिया गया। मुठभेड़ के दौरान एक आरोपित के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। उनके दो साथी मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक नगर देवेंद्र कुमार ने बुधवार को बताया कि गैंगस्टर एक्ट के मामले में वांछित गौकशों के कांट-मदनापुर रोड स्थित जिंदों की पुलिया के पास मौजूद होने और गौकशी की तैयारी करने की सूचना मिली थी। सूचना पर पहुंची कांट पुलिस को देखकर दो आरोपित मोटरसाइकिल से भाग निकले, जबकि दो अन्य ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।

पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बरेली निवासी मोहम्मद शाकिर के पैर में गोली लग गई। इसके बाद पुलिस ने मोहम्मद शाकिर और धर्मवीर को अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपित गैंगस्टर एक्ट के एक मामले में वांछित थे और उन पर दस-दस हजार रुपये का इनाम घोषित था।

एसपी सिटी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों ने फरार साथियों के नाम बरेली निवासी मोहम्मद सानू और पीलीभीत निवासी अनीस बताए हैं। पुलिस के अनुसार चारों आरोपित गौकशी के इरादे से क्षेत्र में आए थे। फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों को लगाया गया है।

चेन लूट के आरोपित से पुलिस की मुठभेड़,घायल, साथी फरार

कानपुर।
यशोदा नगर क्षेत्र में बुजुर्ग महिला से चेन लूट की वारदात में शामिल एक आरोपित को नौबस्ता पुलिस ने मंगलवार देर रात मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में शातिर के पैर में गोली लगी, जबकि उसका दूसरा साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भाग निकला। घायल को उपचार के लिए कांशीराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेंद्र चौधरी ने बताया कि 23 मई को ख्वीद नगर में रहने वाली दुकानदार कुसुम अवस्थी से सिगरेट खरीदने का बहाना बनाकर दो बदमाशों ने चेन लूट ली थी। घटना के बाद भागते समय उनकी बाइक फिसल गई थी। इस दौरान एक लुटेरा पैदल भागा, जबकि दूसरा बाइक लेकर फरार हो गया था। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपितों की तलाश शुरू की थी।

जांच के दौरान पता चला कि वारदात के बाद आरोपियों ने गल्ला मंडी क्षेत्र के एक पेट्रोल पंप से ईंधन भी भरवाया था। मंगलवार रात सूचना मिली कि दोनों बदमाश हंसपुरम इलाके में किसी नई वारदात की तैयारी में घूम रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की तो आरोपियों ने बचने के लिए फायरिंग शुरू कर दी।

पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक आरोपित घायल हो गया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसकी पहचान हनुमंत विहार थाना क्षेत्र के सागरपुरी निवासी गोलू के रूप में हुई है। उसके कब्जे से एक तमंचा और कारतूस बरामद किए गए हैं। आगे उन्होंने बताया कि गोलू के खिलाफ चकेरी और नौबस्ता थानों में चोरी और लूट के तीन मुकदमे पहले से दर्ज हैं।

फरार आरोपी की गिरफ्तारी, लूटी गई चेन की बरामदगी और उसे खरीदने वाले लोगों की पहचान के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें लगातार कार्रवाई कर रही हैं।

अग्निवीर एयरफोर्स के लिए चयनित युवक की सड़क हादसे में मौत, आज ही जाना था ट्रेनिंग के लिए

औरैया।
उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में अछल्दा-फफूंद मार्ग पर बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में अग्निवीर एयरफोर्स के लिए चयनित युवक की मौत हो गई, जबकि उसके पिता और बहन गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। युवक को आज शाम ही ट्रेनिंग के लिए बैंगलोर रवाना होना था।

फफूंद थाना क्षेत्र के खानपुर गांव निवासी 20 वर्षीय रामजी अपने पिता श्याम सिंह (50) और बहन कुसमा देवी (23) के साथ बाइक से अछल्दा थाना क्षेत्र के छछंद गांव झाड़-फूंक कराने गए थे। बुधवार सुबह करीब 6 बजे तीनों घर वापस लौट रहे थे। तभी अमेला बम्बा के पास फफूंद की ओर से आ रही दूध से भरी तेज रफ्तार पिकअप ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों लोग सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे में रामजी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके पिता और बहन गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद पिकअप चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

घटना की सूचना पर डायल-112 टीम और अछल्दा थाना प्रभारी सुरेश सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

राम जन्मभूमि परिसर : शेषावतार मंदिर के शिखर पर संतों ने किया ध्वजारोहण

अयोध्या धाम के 11 संत चरणों ने पूजन कर ध्वज आरोहित किया

अयोध्या।
श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा मंगलवार को श्री राम जन्मभूमि परिसर में स्थापित शेषावतार मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया गया। आज के समारोह में लगभग 04 हजार रामभक्त कार्यक्रम के साक्षी बने। ध्वजारोहण कार्यक्रम में संतों के द्वारा पूजित ध्वज मंदिर शिखर पर आरोहित किया।

उल्लेखनीय है कि आज के समारोह में प्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्री को समरोह में आमंत्रित किया गया था, लेकिन राजधानी लखनऊ में घटित हृदय विदारक अग्निकांड के कारण उनका प्रस्तावित कार्यक्रम भी निरस्त कर दिए गए थे। अग्निकांड के कारण 23 जून को भाजपा के सभी निर्धारित कार्यक्रम रद्द कर दिए गए हैं।

समारोह में अग्निकांड में मृतकों की आत्मा की सद्गति व घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रभु श्रीरामलला के श्री चरणों में प्रार्थना की गई। साथ ही दुखी परिवारीजनों, संबंधियों, मित्रों को धैर्य व साहस प्रदान करने की प्रभु से कामना की गई। कार्यक्रम के दौरान संग्रहालय के लिए राम से संबंधित प्राचीन पंडुलिपि भी सौंपी गई।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर स्थित शेषावतार मंदिर शिखर पर पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अयोध्या धाम के 11 संत चरणों ने ध्वज पूजन किया। इस दौरान अयोध्या के जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

शेषावतार मंदिर शिखर पर जगद्गुरु रामदिनेशाचार्य महाराज, महंत रामानंद दास महाराज, अधिकारी संत राजकुमार दास जी महाराज, ट्रस्ट सदस्य महंत दिनेन्द्र दास महाराज, महंत शशिकान्त दास , ज्ञानी गुरजीत सिंह, महंत रामकुमार दास महाराज, महंत रामानुजदास महाराज, महंत रघुबीरशरण महाराज, महंत गिरीश दास महाराज व महंत अवधेश दास शास्त्री महाराज ने शिष्यों के साथ ध्वज पूजन कर ध्वज आरोहित कराया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी रामभक्तों को समापन पर अल्पाहार व घर ले जाने के लिए प्रसाद का वितरण किया गया। उपस्थित सभी भक्तों ने श्रीरामलला, श्रीराम परिवार मंदिरों के साथ परकोटा सहित अन्य मंदिरों के भी दर्शन पूजन किए। इस दौरान अयोध्या नगर के कुमारगंज निवासी जंगबहादुर सिंह ने लगभग 300 सौ साल पुरानी राम से संबंधित आध्यात्मिक ग्रंथ अंतरराष्ट्रीय राम कथा संग्रहालय के लिए संत चरण के हाथों में सौंपी।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ट्रस्ट महासचिव चम्पत राय, न्यासी अनिल मिश्र, गोपाल राव, रामशंकर, धनंजय पाठक, वीरेंद्र वर्मा, कारसेवकपुरम प्रभारी शिवदास सिंह, धीरेश्वर वर्मा, संजीव सिंह, आदित्य मौजूद रहे और व्यवस्था का कुशल संचालन किया।

नीट प्रतिबंध समाप्त, गूगल प्ले स्टोर पर टेलीग्राम बहाल

नई दिल्ली ।

बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल ने मंगलवार सुबह अपने प्ले स्टोर पर मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम को बहाल कर दिया। यह कदम सरकार द्वारा राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) की पुनर्परीक्षा के दौरान प्रश्न पत्र लीक रोकने के उद्देश्य से लगाए गए अस्थाई प्रतिबंध की अवधि 22 जून की मध्यरात्रि को समाप्त होने के बाद उठाया गया है। गूगल द्वारा बहाली से पहले ही यह प्लेटफॉर्म कुछ मौजूदा उपयोगकर्ताओं के लिए चालू हो गया था। हालांकि, एप्पल के ऐप स्टोर पर मंगलवार सुबह करीब 10 बजे तक टेलीग्राम उपलब्ध नहीं था, और कंपनी को भेजे गए ईमेल का तत्काल कोई जवाब नहीं मिला। सरकार ने 22 जून तक टेलीग्राम को ऐप स्टोर से हटाने का निर्देश दिया था, जिसका उद्देश्य 21 जून को आयोजित नीट-यूजी पुनर्परीक्षा के दौरान प्रश्न पत्र लीक को रोकना था। पिछली परीक्षा 3 मई को प्रश्न पत्र लीक के आरोपों के बाद रद्द कर दी गई थी। पुनर्परीक्षा में अब तक किसी धोखाधड़ी की खबर नहीं है। टेलीग्राम को 30 जून तक पहले से भेजे गए संदेशों के संपादन की सुविधा बंद करने को भी कहा गया है ताकि प्रश्न पत्र लीक मामलों में साक्ष्यों के दुरुपयोग को रोका जा सके। टेलीग्राम के सीईओ पावेल ड्यूरोव ने इस प्रतिबंध की आलोचना की थी और आरोप लगाया था कि यह लीक नहीं रोकेगा। उन्होंने रिलायंस समूह पर व्हाट्सऐप के साथ मिलकर भारत में ऐप प्रतिबंध के लिए पैरवी करने का भी आरोप लगाया था।

एनएसई इमर्ज का मार्केट कैप 2.3 लाख करोड़ के पार

731 कंपनियां सूचीबद्ध, 160 मुख्य बोर्ड में पहुंचीं; महाराष्ट्र, गुजरात और दिल्ली का दबदबा

मुंबई ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के इमर्ज प्लेटफॉर्म ने अपने मार्केट कैपिटलाइजेशन में 2.3 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया है। यह उपलब्धि भारत के छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है और इस प्लेटफॉर्म को व्यवसायों के लिए एक प्रमुख लॉन्चपैड के रूप में स्थापित करती है। मई 2026 तक, इस प्लेटफॉर्म पर 731 कंपनियां सूचीबद्ध थीं, जिन्होंने आईपीओ के माध्यम से करीब 23,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इन कंपनियों का कुल बाजार मूल्यांकन लगभग 2.3 लाख करोड़ रुपये है। एनएसई ने पुष्टि की है कि इमर्ज प्लेटफॉर्म व्यवसायों के लिए एक प्रभावी लॉन्चपैड साबित हुआ है, जिसके तहत 160 कंपनियां सफलतापूर्वक मुख्य बोर्ड (मेनबोर्ड) में स्थानांतरित हो चुकी हैं। इस प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होने वाली कंपनियों में महाराष्ट्र, गुजरात और दिल्ली का वर्चस्व रहा है। इन तीनों राज्यों की कंपनियों ने मिलकर कुल जुटाई गई धनराशि का लगभग दो-तिहाई हिस्सा जुटाया है। महाराष्ट्र 204 लिस्टेड कंपनियों के साथ अग्रणी है, जिन्होंने 6,256 करोड़ रुपये जुटाए हैं। गुजरात 182 कंपनियों और 4,846 करोड़ रुपये के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि दिल्ली की 102 एसएमई ने 3,745 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इन तीन राज्यों की कुल 488 कंपनियां इमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध हैं।

सोना 1,161 रुपए और चांदी 6,469 रुपए तक लुढ़की

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी के वायदा भाव में मंगलवार को उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। घरेलू मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) और अंतर्राष्ट्रीय कॉमैक्स (कॉमेक्स) दोनों पर कीमती धातुओं के दाम गिरावट के साथ खुले, और खबर लिखे जाने तक नरमी बरकरार रही, जिससे निवेशकों में चिंता देखी गई। घरेलू बाजार में एमसीएक्स पर सोने का अगस्त बेंचमार्क कॉन्ट्रैक्ट 2,093 रुपए की गिरावट के साथ 1,46,776 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। यह कॉन्ट्रैक्ट खबर लिखे जाने तक 1,161 रुपए की गिरावट के साथ 1,46,957 रुपए पर कारोबार कर रहा था, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,48,118 रुपए था। इस साल सोना 1,80,779 रुपए के सर्वोच्च स्तर को छू चुका है। इसी तरह चांदी का जुलाई बेंचमार्क कॉन्ट्रैक्ट भी 3,903 रुपए की गिरावट के साथ 2,27,676 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुला। खबर लिखे जाने तक यह कॉन्ट्रैक्ट 6,469 रुपए की भारी गिरावट के साथ 2,27,841 रुपए पर कारोबार कर रहा था। इसका पिछला बंद भाव 2,34,310 रुपए था।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 893 निफ्टी 278 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान आईटी , मेटल और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शेयरों में भारी बिकवाली रही। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली से भी बाजार टूटा। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 893.39 अंक करीब नीचे आकर 76,200.68 पर बंद हुआ जबकि एनएससई निफ्टी 278.80 अंक की गिरावट के साथ ही 23,824.10 पर पहुंच गया।वहीं व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 1.05 गिरावट दर्ज की गयी है। सेक्टरवार देखें, तो निफ्टी मेटल 3 फीसदी से ज्यादा नीचे आया। इसके अलावा निफ्टी आईटी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का

प्रदर्शन भी कमजोर रहा, वहीं निफ्टी फार्मा और निफ्टी हेल्थकेयर के शेयर लाभ में रहे। निफ्टी50 इंडेक्स में इंफोसिस, विप्रो, टीसीएस और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर सबसे अधिक गिरे जबकि टाटा स्टील, हिंडाल्को, बीईएल और जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों में 2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट रही।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 11 पैसे की गिरावट के साथ ही 94.74 पर बंद हुआ। वहीं इससे पहले आज सुबह विदेशी पूंजी की निकासी और घरेलू शेयर बाजारों में कमजोर शुरुआत की वजह से रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में छह पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.69 पर खुला। डॉलर के मजबूत होने और करीब 13 महीने के उच्च स्तर के आसपास बने रहने से ही घरेलू मुद्रा पर दबाव है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.73 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में थोड़ा मजबूत होकर डॉलर के मुकाबले 94.69 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को 30 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.63 पर बंद हुआ था।

आरेकल ने 21,000 नौकरियां घटाई, एआई को बताया मुख्य कारण

एक साल में कार्यबल 1.62 लाख से घटकर 1.41 लाख हुआ

नई दिल्ली।

दिग्गज टेक कंपनी आरेकल कार्प ने पिछले एक साल में अपने वैश्विक कार्यबल में लगभग 21,000 कर्मचारियों की भारी कटौती की है। कंपनी ने अपनी वार्षिक नियामक फाइलिंग में इस छंटनी का मुख्य कारण आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीकों को अपनाना और उनके व्यापक उपयोग को बताया है। सोमवार को जारी फाइलिंग में आरेकल ने स्वीकार किया कि उसके परिचालन में एआई तकनीकों के बढ़ते एकीकरण ने कुछ पदों की आवश्यकता कम कर दी है, जिसका असर कर्मचारियों की संख्या पर पड़ा। 31 मई को समाप्त हुए वित्त वर्ष के अंत तक कंपनी के वैश्विक पूर्णकालिक कर्मचारियों की संख्या घटकर 1.41 लाख रह गई, जो एक वर्ष पहले 1.62 लाख थी। इस बड़ी कटौती के चलते कंपनी को पुनर्गठन पर लगभग 1.8 अरब डॉलर (करीब 15,000 करोड़ रुपए) का महत्वपूर्ण खर्च उठाना पड़ा।

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, ओपनएआई जैसे ग्राहकों के लिए महंगे एआई डेटा सेंटर विकसित करने से आरेकल पर वित्तीय दबाव बढ़ा है।

रेड टेप को कैरी बैग चार्ज पड़ा भारी, उपभोक्ता आयोग ने ठोका 8,000 का जुर्माना

50,000 का मुआवजा और 22,000 रुपए मुकदमेबाजी खर्च की मांग भी की गई

रोहतक ।

हरियाणा के रोहतक स्थित उपभोक्ता आयोग ने जूते के प्रसिद्ध ब्रांड रेड टेप को एक कैरी बैग के लिए 10 रुपए वसूलने पर बड़ा झटका दिया है। आयोग ने इसे अनुचित व्यापार प्रथा मानते हुए कंपनी को ग्राहक से ली गई राशि वापस करने के साथ-साथ 8,000 रुपए का मुआवजा और मुकदमेबाजी लागत चुकाने का निर्देश दिया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब कई कंपनियां मनमाने ढंग से अतिरिक्त शुल्क वसूलती हैं, और यह ग्राहकों के लिए एक महत्वपूर्ण जीत है। मामला 1 अप्रैल, 2023 का है, जब एक ग्राहक ने रेड टेप के रोहतक आउटलेट से 2,069.70 रुपए में जूते खरीदे थे। बिल के साथ स्टोर ने कैरी बैग के लिए 10 रुपए अतिरिक्त वसूले। ग्राहक ने इस शुल्क का विरोध करते हुए बिना शुल्क के बैग उपलब्ध कराने का अनुरोध किया, लेकिन कर्मचारियों ने कंपनी की नीति का हवाला देते हुए इनकार कर दिया। इसके बाद ग्राहक ने इसे कानूनी रूप से गलत मानते हुए उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटखटाया, जिसमें 10 रुपए की वापसी के साथ-साथ 50,000 का मुआवजा और 22,000 रुपए मुकदमेबाजी खर्च की मांग की गई। रेड टेप ने अपने बचाव में तर्क दिया कि यह शुल्क पर्यावरण को बढ़ावा देने और मुफ्त बैग के दुरुपयोग को कम करने के लिए लिया गया था। कंपनी ने यह भी कहा कि स्टोर के प्रवेश द्वार पर ग्राहकों को अपने बैग लाने के लिए सूचित करने वाले साइनबोर्ड लगे थे, कैरी बैग खरीदना वैकल्पिक था और उस पर कोई ब्रांड लोगो नहीं था। हालांकि, उपभोक्ता आयोग की पीठ, जिसमें अध्यक्ष नागेंद्र सिंह कादियन और सदस्य तृप्ति पन्नू व विजेंद्र सिंह शामिल थे, ने कंपनी के बचाव को पूरी तरह से खारिज कर दिया। आयोग ने बिल और कैरी बैग की जांच की, जिसमें 10 रुपए का शुल्क अलग से दिखाया गया था। सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि कंपनी के अपने हलफनामे में स्वीकार किया गया था कि उसने अनावश्यक रूप से एक कैरी बैग के लिए 10 रुपये वसूले हैं। आयोग ने इस बयान को ही कंपनी के बचाव को कमजोर करने वाला पाया और इसे सेवा में कमी तथा अनुचित व्यापार प्रथा करार दिया। आयोग ने रेड टेप को ग्राहक से लिए गए 10 रुपए वापस करने, मुआवजे के तौर पर 4,000 रुपए और मुकदमेबाजी

खर्चों के लिए 4,000 रुपए का भुगतान करने का निर्देश दिया। कुल मिलाकर, कंपनी को 8,010 रुपए का भुगतान करना होगा। आदेश का पालन करने के लिए 30 दिन का समय दिया गया है, अन्यथा कंपनी को हर सप्ताह 50 रुपए का अतिरिक्त जुर्माना देना होगा जब तक कि पूरी राशि का भुगतान नहीं हो जाता। यह निर्णय उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक होने और मनमानी वसूली के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

एयर इंडिया में प्रदीप सिंह खरोला की वापसी

पूर्व सीएमडी को चेयरमैन का एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर नियुक्त किया गया

नई दिल्ली।

एयर इंडिया के पूर्व चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर (सीएमडी) प्रदीप सिंह खरोला की एक बार फिर एयरलाइन में वापसी हुई है। एयरलाइन सूत्रों के अनुसार, उन्हें चेयरमैन का एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर नियुक्त किया गया है। कंपनी के शीर्ष प्रबंधन में संभावित बदलावों के बीच इस नियुक्ति को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।प्रदीप सिंह खरोला वर्ष 2017 से 2019 तक एयर इंडिया के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर के पद पर रहे थे। उनके कार्यकाल के दौरान एयरलाइन कई परिचालन और वित्तीय चुनौतियों से गुजर रही थी। बाद में उन्हें नागरिक उड्डयन सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई, जहां उन्होंने विमानन क्षेत्र से जुड़े कई महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों में भूमिका निभाई। एयर इंडिया के निजीकरण की प्रक्रिया में भी खरोला की अहम भूमिका रही थी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय में रहते हुए उन्होंने एयरलाइन के विनिवेश और पुनर्गठन से जुड़े कई प्रशासनिक एवं नीतिगत कार्यों का नेतृत्व किया था। कंपनी में उनकी वापसी ऐसे समय हुई है, जब एयर इंडिया के शीर्ष प्रबंधन में बदलाव की चर्चा तेज है। एयर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कैंपबेल विल्सन ने पहले ही आने वाले महीनों में पद छोड़ने की घोषणा कर दी है। ऐसे में खरोला

की नियुक्ति को संगठनात्मक स्थिरता और प्रबंधन के अनुभव को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सरकारी तेल कंपनियों के मुनाफे में सुधार की उम्मीद

कच्चे तेल की घटती कीमतों से ईंधन विपणन मार्जिन बेहतर होने का अनुमान

नई दिल्ली ।

सरकारी पेट्रोलियम विपणन कंपनियों (ओएमसी) के लिए मुनाफे में सुधार की उम्मीद जगी है। जेपी मॉर्गन की एक रिपोर्ट के अनुसार, कच्चे तेल की घटती कीमतों से ईंधन विपणन मार्जिन में सुधार इसका मुख्य कारण है। हालांकि, बढ़ते कर्ज और ईंधन कर को लेकर अनिश्चितता इस क्षेत्र की लंबी अवधि की कमाई की संभावनाओं को सीमित कर सकती है। जेपी मॉर्गन की रिपोर्ट बताती है कि सरकारी रिफाइनरियों और खुदरा ईंधन विक्रेताओं के पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर संयुक्त मार्जिन अब पश्चिम एशिया संघर्ष से पहले के स्तर से ऊपर है। यह कच्चे तेल की कम कीमतों और केंद्रीय उत्पाद शुल्क में कटौती का परिणाम है। संघर्ष के दौरान वैश्विक कीमतों में उछाल के बावजूद घरेलू कीमतें स्थिर रहने से कंपनियों को घाटा हुआ था, लेकिन अब स्थिति सुधर रही है। एलपीजी पर अभी भी नुकसान अधिक है, लेकिन तेल कीमतों के साथ इसमें भी कमी आने की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में माल भंडार के नुकसान का असर दिखेगा, लेकिन दूसरी तिमाही में लाभ बेहतर होने की उम्मीद है।

ईंधन खुदरा विक्रेताओं को मार्जिन में राहत पर कर अनिश्चितता बनी चुनौती

मुंबई ।

एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय ईंधन विपणन कंपनियों (ओएमसी) के मार्जिन में सुधार हुआ है, जिससे उन्हें कुछ राहत मिली है। हालांकि, रिपोर्ट ने बढ़ते कर्ज के बोझ और ईंधन पर कर नीति को लेकर अनिश्चितता के कारण इस क्षेत्र की दीर्घकालिक कमाई की संभावनाओं को सीमित बताया है। रिपोर्ट बताती है कि कच्चे तेल की कीमतों में कमी और केंद्र सरकार द्वारा उत्पाद शुल्क में कटौती के चलते सरकारी तेल विपणन कंपनियों के पेट्रोल और डीजल बिक्री पर संयुक्त मार्जिन अब पश्चिम एशिया संघर्ष-पूर्व स्तर से ऊपर पहुँच गया है।

संघर्ष के दौरान वैश्विक तेल कीमतों में उछाल के बावजूद देश में खुदरा कीमतें काफी हद तक स्थिर रहीं।

एलपीजी पर होने वाला नुकसान भी तेल कीमतों में गिरावट के साथ जल्द ही कम होने की उम्मीद है।

जिससे कंपनियों की वित्तीय स्थिति में और सुधार होगा। हालांकि, रिपोर्ट ने मार्जिन में इस सुधार को लेकर सतर्कता बरती है। पिछले कुछ महीनों में ओएमसी पर काफी कर्ज चढ़ा है।

जिससे उनके मूल्यांकन पर असर पड़ा है। इसके अतिरिक्त, लाभ का एक बड़ा हिस्सा सरकार द्वारा मार्च में की गई 10 रुपये प्रति लीटर की उत्पाद शुल्क कटौती के कारण है।

जो वैश्विक तेल कीमतें स्थिर होने पर भविष्य में फिर से लगाया जा सकता है।

सरकार ने खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी को रोकने के लिए यह कटौती की थी।

यदि कच्चे तेल की कीमतें कम रहती हैं, तो भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन को निकट भविष्य में सबसे अधिक लाभ होने की उम्मीद है।

तरलता संकट से जूझते बैंकों को आरबीआई का सहारा

जीएसटी और अग्रिम कर भुगतान से गहराया नकदी दबाव, केंद्रीय बैंक ने डाले 1.41 लाख करोड़

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकिंग प्रणाली में नकदी की कमी से निपटने के लिए मंगलवार को सात-दिवसीय परिवर्तनीय दर रेपो (वीआरआर) नीलामी के जरिए 1,41,171 करोड़ रुपए का निवेश किया। यह हस्तक्षेप ऐसे समय हुआ है जब प्रणाली में नकदी अधिशेष से घटकर घाटे में चली गई। आरबीआई की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह धनराशि 5.26 प्रतिशत की कट-ऑफ और भारित औसत पर डाली गई। विशेषज्ञों के मुताबिक, माल एवं सेवा कर (जीएसटी) और अग्रिम कर भुगतान के कारण धन की निकासी से बैंकिंग प्रणाली 21 जून को 30,685.11 करोड़ रुपए के अधिशेष से 22 जून को 19,971.89 करोड़ रुपए के घाटे में आ गई। इस नकदी संकट ने ओवरनाइट मनी मार्केट दरों पर दबाव बढ़ा दिया है, जहां भारित औसत कॉल मनी दर 5.43 प्रतिशत पर रही, जो आरबीआई की रेपो दर से 0.18 प्रतिशत अधिक है। इसी तरह, ट्राइ-पार्टी रेपो (टीआरईपीएस) दरें भी नीतिगत ब्याज दर से अधिक पर

कारोबार कर रही थीं। नकदी दबाव को कम करने और ओवरनाइट मनी मार्केट दरों को नियंत्रित रखने के लिए, केंद्रीय बैंक पिछले कुछ दिनों से सक्रिय है। आरबीआई ने विभिन्न अवधियों की वीआरआर नीलामियों के माध्यम से कुल लगभग 2.43 लाख करोड़ रुपए की अस्थायी नकदी बैंकिंग प्रणाली में डाली है। यह आरबीआई का एक माध्यम है जिसके जरिये वह बैंकिंग प्रणाली में नकदी की अस्थायी कमी या अधिकता को संतुलित करता है।

जरुरत पड़ने पर ऐसे बढ़ाएं पर्सनल लोन की लिमिट, टॉप-अप विकल्प हो सकता है मददगार

मौजूदा पर्सनल लोन पर बिना नई अर्जी के पाएं अतिरिक्त फंड्स

मुंबई।

पर्सनल लोन वित्तीय जरूरतों को पूरा करने का एक लोकप्रिय साधन है। कई बार बड़े खर्चों या आपातकालीन स्थितियों के लिए ली गई शुरुआती लोन राशि कम पड़ जाती है। ऐसे में, यदि आपको और पैसों की जरूरत पड़ती है, तो पर्सनल लोन टॉप-अप सुविधा आपके लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकती है। यह आपको बिना नया लोन आवेदन किए, अपने मौजूदा लोन पर अतिरिक्त फंड्स प्राप्त करने का अवसर देती है। पर्सनल लोन टॉप-अप सुविधा उन लोगों के लिए एक सुविधाजनक समाधान है, जिन्हें अपने मौजूदा पर्सनल लोन के ऊपर अतिरिक्त पैसों की आवश्यकता होती है। यह आपको ओरिजिनल लोन से ज्यादा फंड्स देती है और इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसके लिए किसी नई एप्लिकेशन की जरूरत नहीं होती। टॉप-अप लोन भी स्टैंडर्ड पर्सनल लोन की तरह ही काम करता है, जहां बॉरोअर पैसे को किसी भी काम के लिए इस्तेमाल कर सकता है और इसके लिए कोई कोलैटरल (गिरवी) देने या खर्च पर कोई लिमिट तय करने की जरूरत नहीं होती। जब आप टॉप-अप लेते हैं, तो मौजूदा और टॉप-अप लोन अमाउंट को मिलाकर आपकी ईएमआई को रिवाइज्ड लोन अमाउंट और टर्म के हिसाब से दोबारा कैलकुलेट किया जाता है। हालांकि, इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए कुछ शर्तों का पालन करना पड़ता है। बैंक या वित्तीय संस्थान टॉप-अप राशि स्वीकृत करने से पहले आपकी पात्रता (इनकम, मौजूदा डेट्स, क्रेडिट स्कोर और लोन रीपेमेंट हिस्ट्री) की दोबारा जांच करेंगे। इसके लिए आपको अपने वित्तीय संस्थान से संपर्क करना होगा और लोन अमाउंट बढ़ाने के लिए एक रिक्वेस्ट लेटर जमा करना होगा। इसके साथ आवश्यक दस्तावेज और प्रोसेसिंग फीस भी देनी पड़ सकती है। अप्रूवल के बाद, कुछ मामलों में आपको मौजूदा लोन को बंद करके एक नया एग्रीमेंट साइन करना पड़ सकता है, जिसमें बदली हुई राशि, ईएमआई और ब्याज दर का उल्लेख होगा। टॉप-अप लोन की कोई तय सीमा नहीं होती; यह बॉरोअर के रीपेमेंट हिस्ट्री और प्रोफाइल पर निर्भर करता है। यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि टॉप-अप पर्सनल लोन का टेन्योर ओरिजिनल लोन के बचे हुए टेन्योर से ज्यादा नहीं हो सकता। यदि आप लंबा लोन टेन्योर चाहते है।

स्पेसएक्स शेयर रिकॉर्ड निचले स्तर पर

कंपनी 20 अरब डॉलर के बॉन्ड जारी कर एआई का करेगी विस्तार

नई दिल्ली ।

एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के शेयरों में लगातार तीसरे कारोबारी दिन भारी गिरावट दर्ज की गई। सोमवार को शेयर 16 फीसदी टूटकर 154.60 पर बंद हुए, जो लिस्टिंग के बाद का सबसे निचला स्तर है। इस गिरावट के साथ, कंपनी का बाजार मूल्य तीन दिनों में 600 अरब डॉलर से अधिक घट गया है। यह गिरावट मुख्य रूप से कंपनी की एक नई फंडिंग योजना के कारण मानी जा रही है, जिसके तहत स्पेसएक्स अपनी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़ी महत्वाकांक्षी योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए 20 अरब डॉलर तक के निवेश-योग्य बॉन्ड जारी करने की तैयारी में है। स्पेसएक्स ने हाल के महीनों में एआई कारोबार पर तेजी से ध्यान केंद्रित किया है, जिसमें फरवरी में एलन मस्क की एक्सएआई का अधिग्रहण और सोमवार को एआई स्टार्टअप रिफ्लेक्शन एआई के साथ कंप्यूटिंग संसाधन समझौते की घोषणा शामिल है। हालांकि, अपने 135 रुपए के आईपीओ मूल्य से शेयर अभी भी लगभग 15 फीसदी ऊपर है। शुरुआती लिस्टिंग में खुदरा निवेशकों की भारी दिलचस्पी दिखी थी। कीबैंक कैपिटल मार्केट्स ने होल्ड के समान रेटिंग दी है, मानते हुए कि कंपनी अंतरिक्ष में अग्रणी है, पर लंबी अवधि की संभावनाएँ पहले से मूल्य में शामिल हैं। हालांकि, इसका बाजार पूंजीकरण अभी भी 2 ट्रिलियन डॉलर से अधिक है, जो इसे शीर्ष छह सबसे मूल्यवान कंपनियों में रखता है। निवेशकों की निगाहें अब कंपनी के एआई निवेश से मिलने वाले रिटर्न पर टिकी हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम आयरलैंड और इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल टूर के लिए रवाना, सूर्यवंशी के डेब्यू पर रहेगी नजर

चेन्नई (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारतीय टीम 26 जून से शुरू होने वाली व्हाइट-बॉल सीरीज के लिए चेन्नई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से आयरलैंड और इंग्लैंड के लिए रवाना हो गई है। 'मेन इन ब्लू' को आयरलैंड के खिलाफ दो टी20आई और उसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20आई और तीन ODI खेलने हैं, जो 26 जून से शुरू होंगे।

इस साल की शुरुआत में टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद आयरलैंड में होने वाले टी20आई मैच भारत के लिए पहली सीरीज होगी। भारत 26 और 28 जून को डबलिन में दो टी20आई खेलेगा। टी20आई टीम की कमान श्रेयस के हाथों में होने से भारत के लिए सबसे छोटे फॉर्मेट में एक नए अध्याय की शुरुआत हो रही है, खासकर इसलिए क्योंकि 2028 में लॉस एंजिल्स ओलंपिक और ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में अगला मेन्स टी20 वर्ल्ड कप होने वाला है।

इस टूरिंग टीम की सबसे खास बात युवा बैटिंग सेंसेशन वैभव सूर्यवंशी हैं, जो 15 साल और 71 दिन की उम्र में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के लिए चुने जाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने और उन्होंने सचिन तेंदुलकर का 36 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। इस सीजन में इंडियन प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन के बाद अनकैप्ड तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को भी पहली बार सीनियर ज्ञ20 टीम में बुलाया गया है।

शुरुआत में सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को टीम में चुना गया था, लेकिन बाद में उनकी जगह प्रसिद्ध कृष्णा को शामिल किया गया। मार्च में मेनिस्कस टियर सर्जरी के बाद रिहैब से गुजर रहे सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर हर्षित राणा भी टीम में वापस आ गए हैं, साथ ही लेग-स्पिनर रवि बिश्नोई भी।

आयरलैंड टूर के बाद यही टीम दक्षिण-पश्चिम की ओर एक छोटा टूर करेगी और 1 से 11 जुलाई के बीच इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20आई सीरीज खेलेगी, जिसके बाद 14 से 19 जुलाई तक तीन वनडे खेले जाएंगे। वनडे टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे, जबकि श्रेयस उनके डिप्टी होंगे। तीन मैचों की वनडे सीरीज में स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की वापसी होगी, जो IPL 2026 के दौरान लगी हैमस्ट्रिंग चोट के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ हाल ही में हुई वनडे सीरीज में नहीं खेल पाए थे। हालांकि BCCI ने कहा है कि उनका खेलना फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर करेगा।

चिरंत विश्वनाथ जापान के मोटेगी में रेस जीतने वाले पहले भारतीय बने

मुम्बई (एजेंसी)। भारत के युवा रेसर चिरंत विश्वनाथ ने जापान के मोटेगी रेसट्रैक में जीत के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही वह इस ट्रैक पर जीत हासिल करने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। यह उपलब्धि उन्होंने एफआईएम एशिया रोड रेसिंग चैंपियनशिप के तीसरे दौर के दौरान टीवीएस एशिया वन-मेक चैंपियनशिप कैटेगरी में दर्ज की है।

चिरंत ने टीवीएस अपाचे आरआर 310 से रेस-1 में शानदार प्रदर्शन कर सफलता हासिल की है। आधिकारिक अभ्यास सत्र में सबसे तेज़ लैप्स दर्ज करने के बाद, उन्होंने क्वालिफाइंग में चौथा स्थान हासिल किया। रेस की शुरुआत में ही उन्होंने बढ़त हासिल कर थी। आठ लैप की इस रोमांचक रेस के पांचवें लैप में एक अन्य राइडर से हुई टक्कर के कारण वह पांचवें स्थान पर खिसक गए पर चिरंत ने हार नहीं मानते हुए तेजी से वापसी करते हुए अंतिम लैप में तीन प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ कर अपनी पहली चैंपियनशिप जीती।

रेस-1 की इस आसाधारण जीत के बाद, चिरंत ने रेस-2 में भी अपनी गति बनाए रखी। वह अंतिम लैप तक वह दूसरे स्थान पर थे पर इस बार भी एक टक्कर के कारण वह चौथे स्थान पर खिसक गये। रेस-1 में मिली जीत और रेस-2 में चौथे स्थान पर रहने के कारण चिरंत को चैंपियनशिप स्टैंडिंग में चौथा स्थान हासिल करने में मदद मिली है।

विराट ने इंग्लैंड दौरे के लिए फिटनेस टेस्ट पास किया

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली फिटनेस टेस्ट में पास हो गये हैं। ऐसे में अब विराट का इंग्लैंड दौरे में एकदिवसीय सीरीज खेलने का रास्ता साफ हो गया है। विराट को टीम में शामिल किया गया था पर उनके खेलने का फैसला फिटनेस जांच पर आधारित था। प्राप्त जानकारी के अनुसार विराट को बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (सीओई) में फिटनेस जांच में सफल करार दिया गया है। इससे अब विराट एकदिवसीय सीरीज खेल सकेंगे। अब उनका लक्ष्य इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर साल 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए अपनी दावेदारी पेश करना रहेगा।

वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2026) के फाइनल मुकाबले के दौरान ही चोटिल हो गए थे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए खेलते हुए उनकी हैमस्ट्रिंग खिंचाव आ गय था। जिससे वह काफी समय तक खेल से दूर रहे थे। इसी चोट के कारण वह हाल ही में घरेलू मैदान पर अफगानिस्तान के खिलाफ खेली गई एकदिवसीय सीरीज से भी बाहर थे। विराट के फिट होने से उनके प्रशंसकों को भी राहत मिली है। अब प्रशंसकों को लंबे इंतजार के बाद विराट को खेलते हुए देखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने अंतिम बार चैम्पियंस ट्रॉफी में खेला था।

एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, नीतीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बरार।

हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस छोड़ने की तैयारी में, इन दो टीमों से मिला ऑफर

नई दिल्ली (एजेंसी)। हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस छोड़ने की तैयारी में हैं और पांच बार की IPL चैंपियन टीम को उनके संभावित ट्रेड के लिए कम से कम दो प्रस्ताव मिले हैं जिसमें एक शाहरुख खान की को-ओन्ड कोलकाता नाइट राइडर्स से और दूसरा राजस्थान रॉयल्स है।

इस मामले की जानकारी रखने वाले IPL के एक सूत्र ने नाम न बताने की शर्त पर PTI को बताया कि KKR के टॉप मैनेजमेंट और मुंबई इंडियंस के मालिकों के बीच खिलाड़ियों के अदला-बदली (स्वैप) को लेकर कई बार बातचीत हुई है। मुंबई इंडियंस में पांड्या की वापसी का सफर उतार-चढ़ाव भरा रहा है और उनकी कप्तानी में टीम सिर्फ एक बार प्ले-ऑफ में जगह बना पाई है।

सूत्र के मुताबिक, 'अजिंक्य रहाणे KKR के लिए हमेशा से एक कामचलाऊ व्यवस्था थे और इस सीजन के बाद उन्हें रिलीज किया जाना तय था। KKR के बड़े अधिकारियों ने पिछले सीजन के आखिर में MI के मालिकों से संपर्क किया था, लेकिन चूंकि रिलायंस की सालाना AGM (आम बैठक) होने वाली थी, इसलिए उस समय IPL ट्रेड उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता नहीं थी।'

सूत्र ने बताया, 'हालांकि, पता चला है कि KKR ने फिर से MI के बड़े अधिकारियों से संपर्क किया है और इस बारे में कुछ दौर की बातचीत भी हुई है।' यह तय है कि अगर पांड्या पूरी तरह से कैश डील या ट्रेड-ऑफ के जरिए KKR में जाते हैं तो उन्हें कप्तानी मिल सकती है क्योंकि इस समय रिंकू सिंह एक सही विकल्प नहीं लग रहे हैं। हालांकि जब पूछा गया कि क्या MI स्टार भारतीय ऑलराउंडर के लिए पूरी तरह से कैश डील चाहती है या ट्रेड-ऑफ, तो सूत्र ने इसकी पुष्टि नहीं की।

IPL ट्रांसफर नियम साफ तौर पर कहते हैं कि कोई खिलाड़ी ट्रेड के संबंध में किसी दूसरी फ्रेंचाइजी के साथ व्यक्तिगत रूप से कोई बातचीत नहीं कर सकता है। नियम के अनुसार बातचीत केवल फ्रेंचाइजी-टू-फ्रेंचाइजी ही हो सकती है, लेकिन यह भी कहा गया है कि खिलाड़ी की सहमति के बिना ट्रेड नहीं हो सकता। अगर खिलाड़ी सहमति नहीं देता है, तो उसे वापस ऑक्शन पूल में भेजना होगा।

MI को मिला दूसरा ऑफर यशस्वी जायसवाल और पांड्या के बीच ट्रेड-ऑफ का बताया जा रहा है, लेकिन यह पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता कि बातचीत किसी एडवांस स्टेज तक पहुंची है या नहीं। हालांकि रॉयल्स असम के स्टार रियान पराग को लंबे समय के कप्तान के तौर पर देख रहे हैं, इसलिए पांड्या के लिए लीडरशिप रोल पाना मुश्किल होगा। अगर पांड्या का ट्रांसफर होता है, तो राजस्थान रॉयल्स की तुलना मेंच्चयक्र इस समय कहीं ज्यादा बेहतर विकल्प लग रहा है।

अल्जीरिया को 12 साल में पहली बार विश्व कप में मिली जीत, जोर्डन नॉकआउट की दौड़ से बाहर

सांता क्लारा। दूसरे हॉफ में पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल करके अल्जीरिया ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जोर्डन को 2-1 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में पहुंचने की उम्मीदें पुख्ता कर लीं। दूसरे हाफ में स्थानापन्न खिलाड़ी नादिर बेनबुआली ने 69वें मिनट में हेडर लगाया जबकि अमीने गोरी ने 82वें मिनट में विजयी गोल दागा। विश्व कप में 2014 के बाद अल्जीरिया की यह पहली जीत है। जोर्डन के लिए पहले हाफ में निजार अल राशदान ने गोल दागा था। अल्जीरिया को पहले मैच में अर्जेंटीना ने 3-0 से हराया था लेकिन दूसरे मैच में ऑस्ट्रिया को हराकर उसने ग्रुप जे में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। जोर्डन लगातार दूसरी हार के साथ नॉकआउट की दौड़ से बाहर हो गया है। उसे पहले मैच में आस्ट्रिया ने 3-1 से हराया था।

नितीश आयरलैंड दौरे से बाहर हुए, सूर्यांश को मिल सकता है अवसर

मुम्बई। भारतीय टीम को आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले ही करारा झटका लगा है। युवा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी मांसपेशिया में खिंचाव के कारण आयरलैंड दौरे से बाहर हो गये हैं। नितीश के बाएं पैर की जांघ की मांसपेशियों (क्वाड्रिसेप्स) में चोट आई है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में भी उनका खेलना संदिग्ध है। नितीश ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के बाहर होने से उम्मीद जतायी जा रही थी कि नितीश उनकी कमी पूरी कर देंगे पर अब वह भी बाहर हो गये हैं। जिससे भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं।

अब देखना है कि चयनसमिति किस खिलाड़ी को नितीश की जगह पर अवसर देती है। भारतीय टीम का आयरलैंड दौरान 26 जून से शुरू हो रहा है। इस सीरीज का पहला मुकाबला 26 जून को है, जबकि दूसरा मैच 28 जून को खेला जाएगा। आयरलैंड दौरे के बाद टीम इंडिया इंग्लैंड रवाना होगी, जहां उसे टी20 के साथ ही एकदिवसीय सीरीज भी खेलनी है। अटकलें हैं कि अब आक्रामक ऑलराउंडर सूर्यांश शेडगे को भारतीय टीम में शामिल किया जा सकता हैं हालांकि, बीसीसीआई ने अभी आधिकारिक घोषणा नहीं की है। सूर्यांश हाल में भारत ए टीम के साथ ही श्रीलंका दौरे पर भी गये थे। श्रीलंका ए के खिलाफ सुपर ओवर वाले मैच में सूर्यांश ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए 72 रन बनाए थे। वह इंडियन प्रीमियर लीग में अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स के लिए खेलते हैं। पिछले सत्र में शेडगे ने पंजाब की तरफ से 7 मैच में खेलते हुए 158 रन बनाए थे। गेंदबाजी का उन्हें अवसर नहीं मिला था घरेलू क्रिकेट में सूर्यांश मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हैं।

मेसी, एम्बापे और हालैंड के बीच 'गोल्डन' बूट की टक्कर

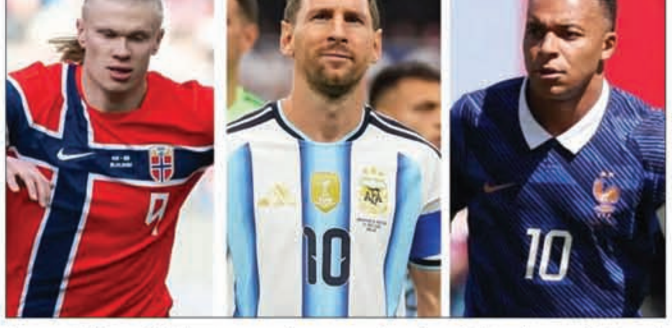

फिलाडेल्फिया (एजेंसी)। लियोनेल मेसी, किलियन एम्बापे और एर्लिंग हालैंड तीनों ने दो-दो गोल किए जिससे वर्ल्ड कप गोल्डन बूट की दौड़ फुटबॉल के तीन सबसे बड़े सितारों के बीच मुकाबले में बदल गई। अपने 39वें जन्मदिन से दो दिन पहले, मेसी ने डलास स्टेडियम में ऑस्ट्रिया के खिलाफ अर्जेंटीना की 2-0 की जीत में दोनों गोल किए, जिससे उनके करियर के वर्ल्ड कप गोल की संख्या रिकॉर्ड 18 हो गई।

अर्जेंटीना के कप्तान अब दो मैचों में पांच गोल के साथ टूर्नामेंट में सबसे ज़्यादा गोल करने वालों की सूची में सबसे आगे हैं। कुछ घंटों बाद फिलाडेल्फिया में, एम्बापे ने भी ऐसा ही किया और दो गोल किए, जिससे फ्रांस ने इराक को 3-0 से हराया, जबकि हाफटाइम के दौरान लगभग दो घंटे तक तूफान के कारण खेल रुका रहा। अपना 100वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे फ्रांस के कप्तान ने तीन टूर्नामेंटों में कुल 16 वर्ल्ड कप गोल कर लिए हैं और पूर्व रिकॉर्ड-धारक मिरोस्लाव क्लोज की बराबरी कर ली है।

न्यूयॉर्क-न्यू जर्सी स्टेडियम में हालैंड ने दो गोल किए और नॉर्वे ने सेनेगल को 3-2 से हराकर राउंड ऑफ 32 में जगह पक्की की। अपने पहले वर्ल्ड कप में खेल रहे 25 वर्षीय खिलाड़ी के नाम अब दो मैचों में चार गोल हैं; वे गोल्डन बूट की दौड़ में एम्बापे के बराबर और मेसी से एक गोल पीछे हैं। हालांकि, इराक पर फ्रांस की जीत के बाद एम्बापे ने मेसी के साथ तुलना को ज़्यादा महत्व नहीं दिया। एम्बापे ने कहा, 'लियो हमेशा गोल करते हैं और हमेशा करते रहेंगे। इसलिए मैं यह नहीं देख रहा कि वह क्या कर रहे हैं। मैं बस अपनी टीम की मदद करने पर ध्यान दे रहा हूं।' फ्रांस के कोच डिडिएर डेसचैम्प्स ने कहा कि उनके कप्तान के पास रिकॉर्ड बुक में नया इतिहास रचने का पूरा मौका है। एम्बापे के पूर्व रिकॉर्ड-धारक मिरोस्लाव क्लोज के 16 वर्ल्ड कप गोल के रिकॉर्ड की बराबरी करने के बाद डेसचैम्प्स ने कहा, 'रिकॉर्ड तोड़े जाने के लिए ही होते हैं।' हालैंड इस दौड़ में एक असली दावेदार के तौर पर उभरे हैं। नॉर्वे ने आखिरी बार 1998 में वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया था, जो हालैंड के जन्म से दो साल पहले की बात है, इसलिए यह इस स्ट्राइकर का पहला वर्ल्ड कप अभियान है। अभी और भी मैच खेले जाने बाकी हैं, इसलिए गोल्डन बूट की लड़ाई अभी भी खुली हुई है, जिसमें मेसी, एम्बापे और हालैंड तीनों ही दौड़ में शामिल हैं।

टीम इंडिया की जर्सी देखकर भावुक हुए वैभव

मुम्बई। 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भारतीय टीम की जर्सी देखकर भावुक हो गये। वैभव को आयरलैंड दौरे के लिए भारतीय टी20 टीम में शामिल किया गया है। बीसीसीआई ने टीम के मंगलवार को आयरलैंड दौरे के लिए रवाना होने से पहले का एक वीडियो जारी किया है। इसमें वैभव को राष्ट्रीय टीम की जर्सी प्राप्त करते हुए देखा गया। इसे देखकर वह खुशी से उछल पड़े और उनके आंसू निकल गये। वैभव अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करते 3 नंबर की जर्सी पहनकर मैदान पर उतरेंगे। किट बॉक्स खोलते ही वैभव ने सबसे पहले अपनी जर्सी देखी। इस पल को बयां करते हुए उनकी आंखें भर आईं और उन्होंने कहा, 'मेरे पास इसके बारे में बताने के लिए शब्द नहीं हैं। जिस चीज के लिए मैंने बचपन से बल्ला थामा था, आज मेरा वो सपना पूरा हुआ। आज सब कुछ सच हो गया। टी-शर्ट देखते ही मैं इतना खुश हो गया कि मेरे लिए ये सपने का सच होने जैसा था। मैं उस समय प्रतिक्रिया भी नहीं दे पा रहा था।' यह दृश्य बताता है कि एक खिलाड़ी के लिए देश का प्रतिनिधित्व करने का क्या महत्व होता है, और कैसे यह पल कई वर्ष की कड़ी मेहनत और समर्पण का फल होता है। आयरलैंड के खिलाफ भारतीय टीम दो टी20 मैच खेलेगी। इसमें वैभव पहली बार भारतीय टीम की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। यह उनके करियर का एक बड़ा पड़ाव है। बीसीसीआई ने वैभव की कम उम्र को देखते हुए उनके माता-पिता को भी इस दौरे पर उनके साथ जाने की अनुमति दी है। उनके पिता पहले ही आयरलैंड पहुंच गये हैं। भारत और आयरलैंड के बीच पहला टी20 मैच 26 जून को खेला जाएगा, जबकि दूसरा मुकाबला 28 जून को होगा। यह सीरीज युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी क्षमता साबित करने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगी।

मिताली का सुझाव: हरमनप्रीत नंबर चार पर, जेमिमा नंबर पांच पर खेलें

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने टीम के बल्लेबाजी क्रम में बदलाव का सुझाव दिया है। मिताली का मानना है कि कप्तान हरमनप्रीत कौर को नंबर चार पर बल्लेबाजी करनी चाहिए, जबकि जेमिमा रोड्रिग्स को नंबर पांच पर उतारा जाना चाहिए। मिताली ने ये बात दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली हार को देखते हुए कही है। इससे सेमीफाइनल में पहुंचने की भारतीय टीम की उम्मीदों को झटका लगा है, क्योंकि अब उन्हें अपने शेष सभी मैच जीतने होंगे।

मिताली ने कहा कि अब भारतीय टीक को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए ऑस्ट्रेलिया को हराने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यह मैच भारत के जीतने लायक था, लेकिन अब आगे का रास्ता मुश्किल है। बल्लेबाजी क्रम पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, हमने हरमनप्रीत को नंबर 5 पर इतनी देर से बल्लेबाजी करते हुए बहुत कम देखा है। इसलिए, शायद वह नंबर चार पर और जेमिमा नंबर पांच पर आ सकती हैं।

उन्होंने जेमिमा को नंबर पांच पर भेजने को लेकर कहा, जेमिमा पहले भी नंबर पांच पर खेल चुकी हैं और वहां उन्होंने काफी रन बनाए हैं। जब वह बल्लेबाजी के लिए आएंगी, तो संभावना है कि उन्हें स्पिनरों का सामना करना पड़े, जो उनकी ताकत है। वह अपने पैरों का इस्तेमाल कर सकती हैं और स्कूप और स्वीप शॉट अच्छे से खेलती हैं। मिताली का मानना है कि इस बदलाव से जेमिमा का आत्मविश्वास बढ़ सकता है, वह लय में वापस आ सकती हैं और वह मोमेंटम दोबारा हासिल कर सकती हैं, खासकर अगर हरमनप्रीत उनसे पहले बल्लेबाजी करें।

मिताली ने बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरानी की अनुशासित गेंदबाजी को इस मैच में भारत के लिए सबसे सकारात्मक पहलू बताया। चरानी ने एक ही ओवर में दो विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका को दबाव में ला दिय था। और बाद में एक और महत्वपूर्ण विकेट हासिल कर अपना शानदार स्पेल समाप्त किया। पूर्व कप्तान ने चरानी की तारीफ करते हुए कहा, श्री चरानी जल्दी सीखने वाली खिलाड़ी हैं। उन्होंने इंग्लिश कंडीशंस में डेब्यू किया था, इसलिए उन्हें वहां के हालात की अच्छी जानकारी है। उन्होंने बताया कि पिच से ज्यादा टर्न न मिलने के बावजूद, चरानी ने लगातार स्टंप्स पर अटैक किया, पेस और लेंथ में बदलाव किए, और अपनी पसंद के हिसाब से फील्ड सेट की। चरानी के दो बड़े विकेट ने भारत को खेल में वापस ला दिया था, और दूसरे स्पेल में भी उनकी लाइन बहुत सटीक थी।

सैमसन ने धोनी की तुलना फेडरर और विराट की अल्कारेज से की

मुम्बई। भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन पर आजकल विंबलडन टेनिस का रंग चढ़ा हुआ है। इसी को देखते हुए सैमसन ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की प्रशंसा करते हुए उनकी तुलना स्विटजरलैंड के महान टेनिस स्टार रोजर फेडरर से की है। सैमसन ने जहां धोनी की तुलना टेनिस के महान खिलाड़ी रोजर फेडरर से जबकि विराट कोहली के आक्रामक अंदाज की तुलना स्पेन के कार्लोस अल्कारेज से की है। सैमसन ने कहा, क्रिकेट के रोजर फेडरर धोनी ही हो सकते हैं। जिस प्रकार से फेडरर शांत अंदाज में खेलते हैं। उसी प्रकार से धोनी भी अपने काम को बहुत शांत और संयमित तरीके से करते हैं। वहीं दूसरी ओर अल्कारेज बहुत आक्रामक अंदाज में खेलते हैं। जिस प्राकर से विराट कोहली खेलते हैं। इसलिए संजू ने विराट की तुलना अल्कारेज से की है। सैमसन टी20 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत के बाद से ही छाये हुए हैं। उन्होंने इसके बाद आईपीएल में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया था। अब उनकी नजरें इंग्लैंड दौरे पर हैं। सैमसन ने टी20 महिला विश्वकप में भारतीय टीम के अच्छे प्रदर्शन की भी तारीफ की है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से महिला टीम ने एकदिवसीय विश्वकप जीता उसी प्रकार वह टी20 खिताब भी जीतेगी।

मेसी के शानदार प्रदर्शन से अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रिया को 2-0 से हराकर नॉकआउट में जगह बनायी

डलास (एजेंसी)। कप्तान लियोनन मेसी के शानदार प्रदर्शन से मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रिया को 2-0 से हराकर लगातार छठी बार विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में प्रवेश किया है। इस धमाकेदार जीत के दौरान ही मेसी ने विश्व कप इतिहास में सबसे अधिक गोल करने का नया रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है।

मेसी ने हाफ-टाइम से ठीक पहले गोल करने के साथ ही ही अपना 17वां गोल कर जर्मनी के दिग्गज मिरोस्लाव क्लोस को पीछे छोड़ा। इसके साथ ही, वह जस्ट फोंटेन और जाइरजिन्हो के बाद लगातार 6 विश्व कप मैचों में गोल करने वाले दुनिया के तीसरे खिलाड़ी भी बन गए है।

दूसरे हाफ में ऑस्ट्रिया ने बराबरी के लिए काफी प्रयास किये पर अर्जेंटीना के डिफेंडरों ने उसे कोई अवसर नहीं दिया। मैच के अंतिम क्षणों में मेसी ने एक और गोल कर टूर्नामेंट का अपना 5वां और विश्व कप करियर का 18वां गोल दागा।

इस मैच में सिर्फ मेसी के साथ ही अर्जेंटीना की पूरी टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा। ऑस्ट्रिया ने मेसी को घेरने की मजबूत रणनीति बनाई थी, लेकिन टीम ने एकजुट होकर इसका सामना किया। क्रिस्टियन रोमेरो ने घुटने की समस्या के कारण मैदान छोड़ने से पहले डिफेंस को मजबूती दी, जिसके बाद निकोलस ओटामेंडी ने कमान संभाली। रोड्रिगो डी पॉल, एलेक्सिस मैक एलिस्टर और एंज़ो फर्नांडीज ने मिडफील्ड को पूरी तरह नियंत्रित रखा, जिससे अर्जेंटीना की लय बनी रही। दो मैचों में दो जीत और 6 अंकों के साथ ही अर्जेंटीना का मनोबल बढ़ा हुआ है और टीम अब 27 जून को ग्रुप जे के अपने अंतिम मैच में जॉर्डन से मुकाबले के लिए उतरेगी।

जानकारी

छोटे बच्चों के लिए खतरनाक हो सकता है देर रात तक जागना

दिन भर सोना और रात को जागना कई बच्चों की रुटीन बन जाती है। ऐसे बहुत कम बच्चे होते हैं, जो रात आराम से सोकर बिताएं। बच्चों को सुलाना मां-बाप के लिए चैलेंज होता है। आइए हम आपको इसे लेकर कुछ टिप्स देते हैं। नवजात शिशु की नींद बहुत हल्की होती है। थोड़ी सी खिटपिट की आवाज हुई नहीं कि बच्चे उठ जाते हैं। ऐसे उठने के बाद उन्हें फिर से सुलाना मुश्किल हो जाता है। छोटे बच्चे नींद को लेकर हमेशा ही जिद्दी होते हैं। उन्हें हमेशा अपने मन से ही सोना और जागना पसंद होता है। कुछ शिशु तो रात में देर तक जागते रहते हैं, जबकि मां-बाप सोना चाहते हैं। इस तरह के जिद्दी बच्चों को सुलाना मुश्किल काम होता है। कई बार मां-बाप को समझ नहीं आता कि उन्हें कैसे सुलाएं। हालांकि ऐसी दिक्कत पहली बार मां-बाप बने लोगों को होती है। अगर आप भी अपने बच्चे की ऐसी आदत से परेशान हैं, तो हम आपको उनको सुलाने के 6 टिप्स देते हैं।

सुलाकर कुछ देर बच्चे के पास ही सोएं

बच्चे को सुलाते वक्त उसे सुलाकर कुछ देर उसके पास ही सोएं, ताकि उसे लगे कि आप उसके आस-पास ही हैं। फिर उसके पास एक तकिया या कोई कपड़ा रख दें। इसके अलावा अगर आप उसे पालने में सुला रहें हैं, तो ध्यान रखें कि पालने में किसी भी चीज की सुगंध न आ रही हो। यह सुगंध अच्छा हो बुरा, इससे आपके बच्चे की नींद बीच में ही टूट सकती है। आधी नींद में उठने की वजह से वह और चिड़चिड़ा हो सकता है और दोबारा उसे सुलाने में आपको परेशानी हो सकती है।

बच्चे की सेहत का ख्याल रखें

कई बार बच्चे की तबीयत खराब होती है और आपको पता नहीं चलता कि उसे क्या हुआ है। ऐसे में अगर वो उठे तो उसे पूरी तरह चेक करें कि उसे क्या हुआ है। कई बार पेट में एसिडिटी की वजह से बच्चा सो नहीं पाता। इसलिए बच्चे को दूध पिलाने या खिलाने-पिलाने के बाद कंधे पर रखकर उसे डकार जरूर दिलवाएं। जिससे कि सोते वक्त उसे एसिडिटी जैसी समस्या नहीं होगी।

अच्छे से खिला-पिला कर सुलाएं

डॉक्टर्स की मानें तो शिशु अगर भूखा होता है तो ढंग से सोता नहीं है। शिशु भूख की वजह से या तो सो नहीं पाते हैं या आधी नींद से ही उठ जाते हैं। ऐसे में मां को चाहिए कि वह बच्चे का पेट हमेशा भरा रखे। ताकि सोते वक्त बच्चा भूखे पेट न सोए। इसके बाद भी वह उठ जाए तो उसे फिर से दूध पिलाकर सुलाने की कोशिश करिए।

शिशु की मालिश जरूर करें

शिशु की मालिश करना बेहद जरूरी चीज है। इससे बच्चे की बॉडी रिलैक्स फील करती है। अगर नहाने के तुरंत बाद शिशु की मालिश की जाए तो उन्हें उसके बाद तुरंत अच्छी नींद आ जाती है। बच्चों को नहलाते वक्त या फिर बाद में कभी भी खिलौने न दें। इससे बच्चे का मन डाइवर्ट होगा, जिस वजह से बच्चा सोने में आनाकानी करता है और सोता नहीं।

लाइट्स को डिम रखें

बच्चों को सुलाने से पहले कुछ ऐसा माहौल तैयार करें, इससे उन्हें भी लगता है कि अब सोना है। फिर बच्चे को लेकर लेट जाएं और उसे हल्की थपकी मार कर सुलाएं। डिम लाइट में बच्चों की आंखें चमकती नहीं है इसलिए वह शांत हो जाते हैं। ऐसे में आपने अक्सर देखा होगा कि बच्चा अगर सोया हो और अचानक से लाइट जलाएं तो वह जग जाता है। इसलिए बच्चों को सुलाते वक्त लाइटिंग का ख्याल रखें। साथ ही आप अगर उसे कुछ गाकर सुला सके तो उसे और अच्छी नींद आएगी।

बच्चों को सुलाने का वक्त तय करें

यह काम एक दिन में तो नहीं होगा पर अगर आप धीरे-धीरे एक ही वक्त पर बच्चे को सुलाएंगे, तो उन्हें उस वक्त पर ही सोने की आदत हो जाएगी। इस तरह वो रोज उसी वक्त पर आसानी से सोने लगेंगे। इसी तरह आप शुरू से ही बच्चों में सोने की आदत का विकास कर सकते हैं।

अध्ययन

40 की उम्र से पहले बढ़ गया है वजन तो हो जाएं सावधान हो सकता है कैंसर का खतरा

Cancer Risk मी-कैन नाम के एक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है कि अगर आपका वजन 40 की उम्र से पहले बढ़ने लगता है तो आपको कैंसर का खतरा ज्यादा होता है।

एक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है कि यदि आपका वजन 40 की उम्र से पहले बढ़ने लगता है तो आपको कैंसर का खतरा ज्यादा होता है। इस अध्ययन में यह पता लगाने की कोशिश की गई क्या व्यस्कों (40 की उम्र से ज्यादा) में, जिनका वजन जरूरत से ज्यादा (25 से ज्यादा बीएमआई) या मोटापे (30 से ज्यादा बीएमआई) का शिकार हैं उनमें कई प्रकार के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।

बर्जेन यूनिवर्सिटी के डिपार्टमेंट ऑफ ग्लोबल पब्लिक हेल्थ एंड प्राइमरी केयर के प्रोफेसर टोन जार्ज ने कहा कि 'मोटापा कई कैंसर के जोखिम कारक के रूप में जाना जाता है। इस अध्ययन में हमने जरूरत से ज्यादा वजन की डिग्री, समय और अवधि व कैंसर जोखिम के मोटापे से संबंध पर ध्यान केंद्रित किया।'

प्रोफेसर टोन जार्ज ने कहा कि इस अध्ययन में शोधकर्ताओ ने दो या उससे अधिक माप वाले वयस्कों को शामिल किया और संभावित रूप से कैंसर निदान से पहले उन्हें कम से कम तीन साल तक अलग-अलग रखा। शोधकर्ताओं ने सभी व्यक्तियों की औसतन लगभग 18 वर्षो तक गतिविधियों पर नजर रखी।

बढ़ जाती है इस तरह के कैंसर की संभावना

- अंतर्गर्भाशयकला कैंसर (Endometrial Cancer) 70 फीसदी।
- पुरुषों में गुर्दे की कोशिकाओं का कैंसर (renal-cell cancer)58 फीसदी।
- पुरुषों में पेट के कैंसर की संभावना 29 फीसदी।
- मोटापे से संबंधित सभी प्रकार के कैंसर की संभावना पुरुषों और महिलाओं में 15 फीसदी तक बढ़ जाती है।

अध्ययन के निष्कर्षो से सामने आया कि अतिरिक्त भार और मोटापे का शिकार व्यस्कों में रजोनिवृति के बाद स्तन कैंसर, अंतर्गर्भाशयकला, गुर्दे की कोशिकाओं का कैंसर और पेट के कैंसर के जोखिम की संभावना अधिक पाई गई।

इस अध्ययन में नार्वे, स्वीडन और ऑस्ट्रिया के प्रतिभागी शामिल हुए थे। मी-कैन नाम के इस अध्ययन में 2,20,000 व्यस्कों से प्राप्त डेटा का विश्लेषण किया गया। लंबाई और वजन सहित स्वास्थ्य जांच जानकारियां नेशनल कैंसर रजिस्ट्री के डेटा से संबंधित थी। जांच के दौरान 27,881 व्यस्कों में कैंसर का निदान पाया गया, जिसमें से 35 फीसदी यानी की 9,761 मोटापे से संबंधित थे।

मोटापे से ग्रस्त प्रतिभागियों में सामान्य बीएमआई वाले प्रतिभागियों की तुलना में (30 से ज्यादा बीएमआई) पहली और दूसरी स्वास्थ्य जांच में उनमें मोटापे से संबंधित कैंसर विकसित होने का खतरा अधिक पाया गया।

जार्ज ने कहा कि 'कैंसर का जोखिम पुरुषों में 64 फीसदी और महिलाओं में 48 फीसदी पाया गया।' अध्ययन के नतीजों में सामने आया कि अतिरिक्त भार और मोटापे से ग्रस्त लोगों में रजोनिवृति के बाद स्तन कैंसर, अंतर्गर्भाशयकला, गुर्दे की कोशिकाओं का कैंसर और पेट के कैंसर के जोखिम की संभावना अधिक पाई गई।

जार्ज का कहना है कि हमारा मुख्य संदेश कैंसर के जोखिम को करने के लिए एक जरूरी जन स्वास्थ्य रणनीति बनाकर वजन बढ़ने से रोकना है।

सेहत

दांतों की समस्याएं बच्चों के संपूर्ण स्वास्थ्य पर डालती है बुरा असर

यह हैं बचाव के तरीके

यह सच है कि जो खाना हम खाते हैं वह हमारे शरीर, हड्डियों, दांतों व मसूढ़ों को पोषण प्रदान करता है तथा संक्रमणों एवं रोगों से लड़ने और ऊतकों को नया करने में मददगार होता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 2018 में जारी की गई फैक्टशीट ऑन डाइट एंड ओरल हैल्थ के मुताबिक अस्वास्थ्यकर खुराक और खराब पोषण दांतों व जबड़ों के विकास को कुप्रभावित करता है और इसका दुष्प्रभाव जीवन के बाद के वर्षों में भी रहता है। जीवन के आरंभिक वर्षों में जो आहार बच्चों को मिलता है उससे उनके शारीरिक एवं संज्ञानात्मक विकास में मदद मिलती है। परिणास्वरूप इससे उनके ओरल एवं संपूर्ण स्वास्थ्य पर भी असर पड़ता है। विशेषज्ञों के अनुसार असंतुलित आहार में बहुत सारे कार्बोहाइड्रेट, शुगर एवं स्टार्च होता है जिससे दांतों में कैविटी और दंत क्षय जैसी मुंह की बीमारियां पनपती हैं, जिससे बच्चों के समग्र स्वास्थ्य पर और ज्यादा दुष्प्रभाव होता है।

डेंटल की डॉक्टर प्रियंका माथुर का कहना है कि आहार और पोषण का मुंह पर बहुत अहम असर होता है। अत्यधिक शुगर वाले खाद्य पदार्थों से ऐसिड बनता है जो दांतों के इनामल पर असर करता है और जिससे दंत क्षय होता है। दांतों की समस्याएं न सिर्फ ओरल कैविटी को प्रभावित करती हैं बल्कि ये बच्चों के संपूर्ण विकास पर भी व्यापक असर डालती हैं।

मुंह के स्वास्थ्य की स्थिति, खानपान की आदत, पोषण का स्तर और सामान्य स्वास्थ्य के बीच में काफी पेचीदा संबंध है और इन्हें परस्पर जोने वाले कई कारक होते हैं। अगर मौखिक स्वास्थ्य ठीक नहीं है तो उससे भोजन के विकल्प चुनने में बदलाव आता है और खानपान पर नकारात्मक असर पता है, जिससे पोषण का स्तर घटता है और चलकर क्रोनिक सिस्टेमिक रोगों की स्थिति बनती है। नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इंफॉरमेशन, यूएसए के मुताबिक मौखिक एवं पोषण संबंधी समस्याओं को पहचानना और उनका उपचार करना स्वास्थ्य एवं जीवन गुणवत्ता सुधारने के लिए बेहद अहम है।

डेंटल ऑफिसर डॉक्टर विमल अरोरा कहते हैं कि मौखिक स्वास्थ्य से संपूर्ण स्वास्थ्य एवं कल्याण का रास्ता खुलता है। यह न केवल बच्चे के विकास को बल्कि उसके आत्म विश्वास को भी प्रभावित करता है। बच्चों के दांत खराब होंगे तो वे खुद को कमतर समझेंगे, शर्मिंदा और नाखुश होंगे। संतुलित व पौष्टिक आहार सर्वश्रेष्ठ तरीका है बढ़िया मौखिक स्वास्थ्य पाने और भविष्य में होने वाली परेशानियों को रोकने का।

सेहतमंद दांतों के लिए जरूरी पोषक तत्व

- सेहतमंद दांतों के लिए कम उम्र से ही स्वास्थ्यकर पोषण बेहद अहम है। माता-पिता को अपने बच्चों की खानपान की आदतों पर ध्यान देना चाहिए और खानपान की अच्छी आदतें उन्हें सिखानी चाहिए। कैल्शियम से भरपूर चीजें (जैसे लो-फैट मिल्क, दही, घी, बादाम), हरी पत्तेदार सब्जियां व अन्य ऐसे ही स्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थ दांतों व हड्डियों को मजबूत करते हैं इसलिए इन्हें बच्चों के आहार में बढ़ावा दिया जाना चाहिए। अंडे, मछली, हल्का मांस व डेयरी उत्पाद फॉस्फोरस से भरपूर होते हैं जो कि मजबूत दातों के लिए लाभकारी होता है।
- सही मात्रा में फ्लोराइड होने से दंत क्षय की रोकथाम में मदद मिलती है, यद्यपि फ्लोराइड की मात्रा बढ़ने से दांतों में धब्बे आ जाते हैं जो शर्मिंदगी की वजह बनते हैं।
- इसी प्रकार अन्य विटामिनों एवं खनिजों की कमी दांतों एवं हड्डियों दोनों के ही विकास पर असर करती है और उनका रूप बिगड़ जाता है।
- कोमल और चिपकने वाले खाद्य पदार्थ मसूढ़ों की बीमारियों की शुरुआत करते हैं, इनकी वजह से बाद में चलकर मसूड़ों से खून निकलने लगता है। खराब खानपान की वजह से बचपन में ही दांत खराब हो जाते हैं, चबाने का उकसाव ठीक से नहीं होता जिससे जबड़ा छोटा रह जाता है और बेडौल दांत विकसित होते हैं। बच्चों को ऐसा भोजना दीजिए जिसे उन्हें अच्छे से चबाना पड़े इससे उनके दांते बेडौल नहीं होंगे और उनके मसूढ़ों, हड्डियों व जबड़ों का भी अच्छी तरह से विकास होगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-5-7९-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचें। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। पारिवारिक विवाद टाले। शुभांक-1-3-4

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बांधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू): उच्च मनोबल रखकर कार्य करें, सफल होगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक:
रिजवान सैफ खान

सह संपादक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,

सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक
राकेश द्विवेदी

उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3927

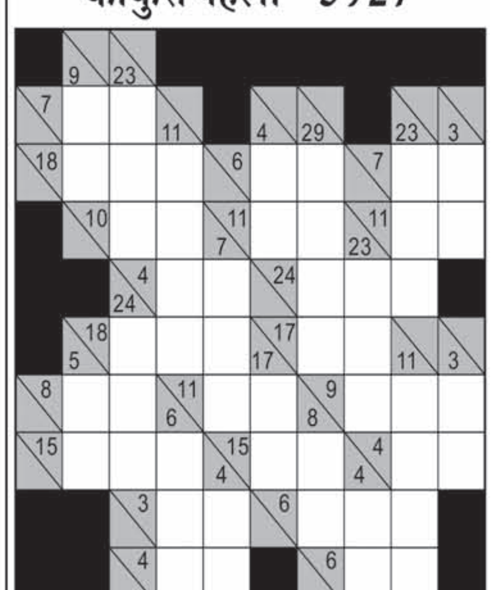

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3926 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक सखी-मेरे पति प्रतिदिन सैकड़ों लोगों को भोजन करवाते हैं.

दूसरी- हां बहन, ऐसे देवता स्वरूप लोग होते ही कितने हैं. वैसे वे करते क्या हैं?

पहली सहेली-वे होटल में वेटर हैं.

□ □ □

प्रबन्धक-फिलहाल मैं तुम्हें हजार रुपये महीना दे सकता हूँ. छह महीने बाद बारह सौ दूंगा.

प्रत्याशी-ठीक है मैं छह महीने बाद ही आ जाऊंगा.

□ □ □

मां ने दूध में डबलरोटी खाने को दी. थोड़ी देर में बालक रोने लगा तब मां ने पूछा,'क्यों क्या हुआ? रो क्यों रहे हो?'

बालक ने रोते हुए कहा,'सारा दूध तो डबलरोटी पी गई मैं क्या पिऊं?'

□ □ □

अपने पिता के साथ चिड़ियाघर देखते हुए बच्चा शेर के पिंजरे के सामने आकर सोचने लगा. बाप ने कारण पूछा तो बच्चे ने कहा,'कुछ नहीं पिताजी,मैं सोच रहा था कि अगर शेर ने पिंजरे से निकलकर आपको खा लिया तो मैं कौन से नम्बर की बस में घर जाऊंगा.'

□ □ □

पत्नी-तुमने अपना वादा तोड़ दिया.

नेता-कोई बात नहीं जल्दी ही नया वादा कर लूंगा.

फिल्म वर्ग पहेली- 3927

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, संजीवकुमार, सचिन, हेमा, राखी, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
३. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
७. 'नीले गगन के तले' गीत वाली सुनील दत्त, मुमताज की फिल्म-४
९. 'जुबलीकुमार' राजेंद्रकुमार की पहली फिल्म जिसकी नायिका गीता बाली थी-३
११. अशोककुमार, नादिरा की 'काहे जादू किया मुझको' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुपर हिट फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम क्या था-२
१५. कुमार गौरव, शरनाज की 'जिंदगी कब तुम को' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'आजा आजा मैं हूँ प्यार' गीत वाली शम्मीकपूर, आशा की फिल्म-३,३
१८. सतीश कौल, सरिता की बी. आर. इशारा निर्देशित १९७४ की एक फिल्म-३
१९. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम का फिल्म-२
२०. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या कर दिया' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'दुनिया में कितना' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
२४. मनोज बाजपेयी, उर्मिला की जोड़ी वाली रामगोपाल वर्मा की एक फिल्म-२
२५. 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली महीपाल, संध्या की फिल्म-४
२६. विनोद मेहरा, मौसमी की 'तेरे नैनों के मैं दीप' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'हम' में नायिका किमी काटकर के किरदार का नाम क्या था-२
२८. बलराज साहनी, लीला की 'हाये रे वो दिन क्यूं ना' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१.'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
३. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा है' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
४. गीफा अवार्ड्स में किस को फिल्म 'रंग दे बसंती' के लिये सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का पुरस्कार मिला था-४
५. ओमपुरी, शबाना आजमी, माधुरी की सुधीर मिश्रा निर्देशित फिल्म-३
८. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीना राय की १९९२ की एक फिल्म-४
१०. जिमी, उदय चोपड़ा, इरफान, नम्रता की 'राहें लहरा के हम से' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'रंग और नूर की बारात किसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना की फिल्म-३
१४. मिथुन, सारिका की 'साथी है हम जनमों के' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली रंजन, चित्रा जयश्री की फिल्म-३
१७. मिथुन, चंकी, ऋतुपर्णा, सोमी की 'जब मैंने तेरा' गीत वाली फिल्म-३,२
१९. फिल्म 'बंदिवी' की नायिका कौन थी-३
२१. अजय देवगन, ट्विंकल खन्न की 'बेईमान पिया रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिरोज खान, मुमताज की फिल्म-४
२३. विनोद खन्ना, आमिर, सैफ, अश्विनी भावे, रवीना, नीलम की 'हम बंजारे दिल नहीं देते' गीत वाली फिल्म-४
२६. जितेन निर्देशित मिथुन चक्रवर्ती, राखी, नीता मेहता की १९८६ की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3926

सूडोकु -3927

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3926 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्द पहेली -3927

बाएँ से दाएँ

1.सुरक्षित-4
4.माहुर,आलता-4
7.कार्य,काज-2
8.रांझे की प्रेमिका-2
9.स्याही,कालिख-2
10.भूमि,धरा-2
12.ठाठ-बाट-2
14.अधर,होठ-2
16.विशाल,श्रेष्ठ-3
18.आदेश,आज्ञा-4
20.कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4
23.काका की पत्नी-2
24.कामदेव की पत्नी-2
25.जनवासा,हरम-4
28.हमसफर-4
30.कपड़े धोने वाला-3
33.आनंद,मौज-2
35.संदेह-2
37.सरूर,खुमार-2
39.मृत्यु का देवता-2
41.पुण्य का विलोम-2
42.परछाई,छाया-2
43.शिव,रुद्र,शंकर-4
44.सराबोर,सना हुआ-4

ऊपर से नीचे

1.समान,एक जैसा-2
2.बारीक-3
3.भीगा हुआ-2
4.मेरा (संस्कृत-2)
5.पाना,प्राप्त-3
6.घोड़ागाड़ी,गाड़ी-2
7. कहवा-2
11.उद्देश्य-2
12.गजल लिखनेवाला-3
13.उस जगह-2
15.बारिश,वर्षा-3
16.जी,चित-2
17.मर्द,आदमी-2
18.दरवेश-3
19.मध्य प्रदेश का एक क्षेत्र-3
21.साजन,प्रेमी-3
22.मुलायम-3
26.कायदा,कानून-3
27.महोदय (अंग्रेजी)-2
28.अधिकार-2
29.खटखटाना-3
31.जगत,दुनिया-2
32.प्राण,जीव-2
34.स्वाद-3
35.प्रतिज्ञा-3
36.शरीर,तन-2
38.संध्या,सांझ-2
40.अपशिष्ट पदार्थ-2
41.मस्तूल,नौका पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
42.संग,संगत-2

शब्द पहेली -3926 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी